दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ››› दिल्ली ››› गाजियाबाद ››› नोएडा ››› ग्रेटर नोएडा ››› हापुड़ ››› अमरोहा ››› बागपत ››› मेरठ ››› मुजफ्फर नगर ››› बिजनौर ››› मुरादाबाद ››› बुलंदशहर ››› अलीगढ़ ››› फरीदाबाद ››› गुड़गांव ››› सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

रविवार 09 नवंबर 2025

सूर्योदय प्रात: 06:34 बजे

सूर्यास्त सांय 17:31 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 अमीरी में अभिवृद्धि विद्रोह एवं संकट का बड़ा कारण

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 17 | अंक : 023 | गाजियाबाद, रविवार 09 नवंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

प्रधानमंत्री ने 4 वंदे भारत ट्रेनों को दिखायी हरी झंडी

✷ एनसीआर टुडे. वाराणसी ✷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को चार नयी वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। श्री मोदी ने यहां बनारस रेलवे स्टेशन पर एक कार्यक्रम में बनारस-खजुराहो ट्रेन को हरी झंडी दिखायी।

इसके अलावा उन्होंने वर्चुअल माध्यम से लखनऊ-सहारनपुर, बेंगलुरु-एर्नाकुलम और फिरोजपुर कैंट - दिल्ली वंदे भारत प्रीमियम ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। श्री मोदी के साथ केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी भी थे।

विशेष पास पर ट्रेन में यात्रा कर रहे लोगों में काफी उत्साह दिखा। बड़ी संख्या में स्कूलों के बच्चे भी ट्रेन में थे। प्रधानमंत्री ने ट्रेन में बच्चों और ड्राइवर से भी बात की।इसके साथ ही अब देश में वंदे भारत ट्रेनों की संख्या 78 से बढ़कर 82 हो गयी है। उल्लेखनीय है कि 15 फरवरी 2019 को पहली वंदे भारत ट्रेन का उद्घाटन किया गया था जो नयी दिल्ली से वाराणसी के लिए चली थी। अब तक देश भर में विभिन्न मार्गों पर वंदे भारत ट्रेनों में सवा सात करोड़ से अधिक यात्री सफर कर चुके हैं। इसका विश्तार 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में हो चुका है।

श्री मोदी ने दुल्हन की तरह सजे बनारस रेलवे स्टेशन से खजुराहो जाने वाली उद्घाटन ट्रेन को हरी झंडी दिखायी। खास बात यह है कि यह प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र से खजुराहो के लिए पहली नियमित ट्रेन है।

आम दिनों में वाराणसी-खजुराहो वंदे भारत (26422) सुबह 5:25 बजे वाराणसी से रवाना होगी और दोपहर बाद 1:10 बजे खजुराहो पहुंचेगी। वापसी की

ट्रेन (26421) दोपहर बाद 3:20 पर रवाना होगी और रात 11 बजे वाराणसी आयेगी। यह ट्रेन गुरुवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलेगी। इसका ठहराव ब्लॉक हट 'के', विंध्याचल, प्रयागराज, बांदा, महोबा और खजुराहो में होगा।

लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत (26504) सुबह पांच बजे लखनऊ से खुलेगी और दोपहर बाद 12:45 बजे सहारनपुर पहुंचेगी। वापसी की ट्रेन (26503) दोपहर बाद तीन बजे चलकर रात 11 बजे लखनऊ पहुंचेगी। इसका ठहराव सीतापुर, सीतापुर सिटी, शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद, नजीबाबाद, रुड़की और सहारनपुर में होगा। यह सोमवार को छोड़कर सभी छह दिन चलेगी। केएसआर बेंगलुरु-एर्नाकुलम वंदे भारत (26651) सुबह 5:10 बजे बेंगलुरु से चलकर दोपहर बाद 1:50 बजे एर्नाकुलम पहुंचेगी।

वापसी में यह (26652) 2:20 बजे एर्नाकुलम से रवाना होगी और रात 11 बजे केएसआर बेंगलुरु पहुंचेगी। इसके ठहराव कृष्णराजपुरम्, जेटीजे-ए, सलेम, इरोड, तिरुपपुर, कोयम्बटूर, पलक्कड़ और त्रिशूर में होंगे। यह बुधवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलेगी।

फिरोजपुर कैंट-दिल्ली वंदे भारत (26462) बुधवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलेगी। यह सुबह 7:55 बजे फिरोजपुर कैंट से खुलेगी और दोपहर बाद 2:35 बजे दिल्ली पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 26461 शाम चार बजे दिल्ली से चलकर रात 10:35 बजे फिरोजपुर कैंट पहुंचेगी।

वंदे भारत देश में निर्मित पहली सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन है। इसका निर्माण इंटीग्रेटेड कोच फैक्टरी, चेन्नई में किया जाता है। यह अधिकतम 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने में सक्षम है।

इसमें इंटेलिजेंट ब्रेकिंग सिस्टम, स्वचालित दरवाजे, जीपीएस आधारित यात्री सूचना प्रणाली और बायो वैक्यूम शौचालय जैसे कुछ खास फीचर हैं। एक्सक्लुजिव श्रेणी में रोटेटिंग सीटें लगी हुई हैं। इसकी विशेष ब्रेकिंग प्रणाली 30 प्रतिशत तक बिजली की बचत भी करती है। इसमें लगायी गयी सुविधाओं को दिव्यांगों के अनुकूल बनाया गया है ताकि उन्हें कोई परेशानी न हो।

संसद का शीतकालीन सत्र एक से 19 दिसम्बर तक चलेगा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। संसद का शीतकालीन सत्र एक दिसम्बर से शुरु होगा और 19 दिसम्बर तक चलेगा। संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी देते हुए लिखा 'राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक संसद का शीतकालीन सत्र बुलाने के सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।" श्री रिजिजू ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह रचनात्मक और सार्थक सत्र होगा और हमारे लोकतंत्र को मजबूत कर लोगों की आकांक्षाओं पर खरा उतरेगा। गौरतलब है कि संसद के मानसून सत्र में बिहार में मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा तथा आपरेशन सिंदूर पर चर्चा कराने की मांग को लेकर विपक्ष के हंगामे के कारण दोनों सदनों का अधिकांश समय बाधित रहा था।

कुपवाड़ा में सेना ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दो आतंकवादियों को मार गिराया

✷ वेबवार्ता. श्रीनगर ✷। जम्मू-कश्मीर में कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सुरक्षा बलों ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दो अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया है। सेना ने शनिवार को यह जानकारी दी। सेना ने बताया कि सतर्क सैनिकों ने कल देर रात नियंत्रण रेखा के पास संदिग्ध गतिविधि देखी और घुसपैठियों को चुनौती दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। घुसपैठियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई की जिसके बाद गोलीबारी शुरू हो गई। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने एक्स पर कहा , 'चल रहे अभियान में सुरक्षा बलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया है।' इससे पहले सेना ने कहा था कि सेक्टर में घुसपैठ की संभावित कोशिश के बारे में विशेष खुफिया जानकारी मिलने के बाद सैनिकों ने एक संयुक्त अभियान शुरू किया था। चिनार कोर ने कहा, 'सात नवंबर 2025 को घुसपैठ की कोशिश के संबंध में एजेंसियों से मिली विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया। सतर्क सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और उन्हें चुनौती दी, जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी जिससे मुठभेड़ शुरु हो गयी और आतंकवादियों को घेर लिया गया।'

कांग्रेस का तंज : जी-20 शिखर बैठक में शामिल नहीं होंगे ट्रम्प तो मोदी जाएंगे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने जी-20 शिखर बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के शामिल नहीं होने की खबर के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अब इस बैठक में प्रधानमंत्री के जाने की संभावना है।

जी-20 देशों की शिखर बैठक 22 तथा 23 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका में हो रही है। माना जा रहा है कि अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के बीच चल रही अनबन के मद्देनजर श्री ट्रम्प इस बैठक में शामिल नहीं हो रहे हैं।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने श्री मोदी के बैठक में शामिल होने को लेकर सोशल मीडिया एक्स पर तंज करते हुए लिखा 'अब जब राष्ट्रपति ट्रम्प ने घोषणा की है कि वह 22-23 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका में जी20 शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे, तो हम निश्चिंत हो सकते हैं कि स्वयंभू विश्वगुरु स्वयं व्यक्तिगत रूप से भाग लेंगे। कभी न कभी, कहीं न कहीं...'

श्री मोदी की यात्रा पर कांग्रेस की यह टिप्पणी उन खबरों के बाद आई है जिनमें कहा जा रहा है कि श्री ट्रम्प इस बैठक का बहिष्कार कर सकते हैं। जी-20 शिखर सम्मेलन आर्थिक और भूराजनीतिक चुनौतियों से निपटने की रणनीति पर विचार करने का एक प्रमुख वैश्विक मंच है, जिसमें श्री मोदी की उपस्थिति या अनुपस्थिति पर सबकी नजर रहती है।

गौरतलब है कि श्री मोदी इस महीने की शुरुआत में मलेशिया में क्षेत्रीय नेताओं के शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं हुए जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प उसमें आये थे। कांग्रेस सूत्र कहते हैं कि श्री मोदी जानबूझकर ट्रम्प का सामना करने से बचना चाहते थे इसलिए वह इस सम्मेलन में नहीं गये। उनका यह भी कहना था कि श्री ट्रम्प लगातार दावा कर रहे हैं कि टैरिफ का डर दिखाकर उन्होंने पाकिश्तान के साथ भारत की सैन्य कार्रवाई को रुकवाया था लेकिन श्री मोदी ने संसद में कहा कि किसी बाह्य व्यक्ति या संस्था के दबाव में सैन्य कार्रवाई नहीं रोकी गई।

श्री मोदी के इस बयान के बाद भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते तनावपूर्ण हो गए और अगश्त में ट्रम्प प्रशासन ने यह कहते हुए भारतीय निर्यात पर 50 प्रतिशत आयात शुल्क लगा दिया कि भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद करने के कारण यह शुल्क लगाया गया है।

जलवायु संरक्षण के लिए ब्राजील में भारत ने दोहराई अपनी प्रतिबद्धता

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत ने जलवायु संरक्षण की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा है कि विकसित देशों को उत्सर्जन में कमी करने के उपाय तेज कर समान कार्रवाई के सिद्धांत को अपनाते अपनी भौगोलिक तथा अन्य परिस्थतियों के अनुरूप जलवायु संरक्षण की दिशा में कदम उठाए जाने चाहिए।

ब्राजील के बेलेम में कॉप-30 देशों के नेताओं के शिखर सम्मेन में ब्राज़ील में भारत के राजदूत दिनेश भाटिया ने समतामूलक जलवायु कार्रवाई के प्रति दुनिया के समक्ष भारती प्रतिबद्धता दोहराई है। जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन-यूएनएफसीसीसी के 30वें सम्मेलन कॉप-30 का आयोजन 10 से 21 नवंबर तक ब्राज़ील के बेलेम में आयोजित किया जा रहा है।

श्री भाटिया ने कहा कि भारत ने पेरिस समझौते की 10वीं वर्षगांठ पर कॉप-30 की मेजबानी के लिए ब्राज़ील का आभार व्यक्त किया और रियो शिखर सम्मेलन की 33 वर्षों की विरासत को याद किया।

भारत के बयान में कहा गया है कि यह ग्लोबल वार्मिंग की चुनौती के प्रति वैश्विक प्रतिक्रिया पर विचार करने तथा रियो शिखर सम्मेलन की विरासत का जश्न मनाने का अवसर है, जहाँ समता और विभेदित उत्तरदायित्वों और संबंधित क्षमताओं-सीबीडीआर-आरसी के सिद्धांतों को अपनाया गया था। इस सिद्धांत ने पेरिस समझौते सहित अंतर्राष्ट्रीय जलवायु व्यवस्था की नींव रखी। भारत के वक्तव्य में बताया गया है कि 2005 से 2020 के बीच, भारत ने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता में 36 प्रतिशत कम की है और यह प्रवृत्ति जारी है। वक्तव्य में कहा गया है कि गैर-जीवाश्म ऊर्जा अब हमारी स्थापित क्षमता का 50 प्रतिशत से अधिक है, जिससे देश संशोधित एनडीसी लक्ष्य को निर्धारित समय से पाँच वर्ष पहले प्राप्त कर सकेगा। श्री भाटिया ने कहा कि भारत ने उष्णकटिबंधीय वनों के संरक्षण के लिए सामूहिक और सतत वैश्विक कार्रवाई की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में इसे मान्यता देते हुए उष्णकटिबंधीय वनों के लिए सदैव सुविधा स्थापित करने की ब्राजील की पहल का स्वागत किया और पर्यवेक्षक के रूप में इस सुविधा में शामिल हो गया।

अधिकार मांगने वालों को पिटवाती है सरकार : प्रियंका

✷ वेबवार्ता. पूर्णिया ✷

कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को पूर्णिया में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि अधिकार मांगने वालों को यह सरकार पुलिस से पिटवाती है। इनकी मानसिकता ऐसी है कि प्रदर्शन करने वालों को यहां दबाया जाता है, जबकि कांग्रेस की सरकार में प्रधानमंत्री गांव-गांव जाते थे और किसानों से मिलते थे।

उन्होंने अपने पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की चर्चा करते हुए कहा कि मैंने अपने पिता को प्रधानमंत्री रहते हुए एक बुजुर्ग महिला की डांट खाते देखा है।

उन्होंने बताया, "वे कहते थे कि जनता का दुख-दर्द जानना और उनके लिए काम करना एक प्रधानमंत्री का कर्तव्य है। महिला की नाराजगी से पता चलता है कि उन्हें अपने अधिकारों की समझ है। उस महिला की नाराजगी मात्र एक नल लगाने की थी।

यह उस समय की मानसिकता थी। यह मानसिकता ही देश की राजनीति की नींव है।

नगीना मे थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। थाना नगीना में पुलिस क्षेत्राधिकारी डॉक्टरअंजनी कुमार चतुर्वेदी व नायब तहसीलदार की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन किया गया । समाधान दिवस में कुल शिकायत दर्ज की गईं। शिकायतों की सुनवाई नायब तहसीलदार अजब सिंह व क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार चतुर्वेदी ने सुनी ।इस अवसर पर नायब तहसीलदार अजब सिंह कुमार उप निरीक्षक सुरेंद्र सिंह सुभाष तोमर लेखपाल अंसरुल हक आदि लेखपाल मौजूद रहे सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

ठगी से बचने के गुर बताए

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। मिशन शक्ति अभियान-5.0 के अंतर्गत कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर के थाना क्षेत्रों में शनिवार को महिला सशक्तिकरण एवं महिला सुरक्षा जागरूकता से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में महिला सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान मिशन शक्ति टीम ने महिलाकर्मियों को थानों पर गठित मिशन शक्ति केंद्र के उद्देश्य, कार्य प्रणाली एवं महिला सुरक्षा से संबंधित उपलब्ध सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दी। साइबर ठगी के प्रकार और इससे बचने के उपायों की भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं और बच्चियों को विविध हेल्पलाइन नंबर के बारे में भी बताया गया।

बदमाशों ने सोने की चेन लूटी

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। सेक्टर-113 थानाक्षेत्र स्थित रेस्टोरेंट के बाहर बाइक सवार बदमाशों ने एक व्यक्ति के गले से सोने की चेन लूट ली। पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर-77 स्थित इलाइट सोसाइटी निवासी राकेश गुप्ता ने बताया कि बीते माह 25 तारीख को वह थानाक्षेत्र स्थित क ख ग रेस्टोरेंट गए थे। रात नौ बजे के करीब जब राकेश रेस्टोरेंट के बगल वाले प्लॉट के पास खड़े थे, तभी एक बाइक पर सवार होकर दो बदमाश आए। पीछे बैठे बदमाश ने राकेश के गले से सोने की चेन झपट ली। बदमाश ने शिकायतकर्ता को धक्का देकर नीचे गिराने का भी प्रयास किया। पीड़ित के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तबतक बदमाश फरार हो चुके थे। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सड़क पर पैदल जा रही युवती को बेकाबू बस ने कुचला, मौत

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। सेक्टर 142 में शनिवार की सुबह एक युवती को बेकाबू बस ने कुचल दिया। हादसे में युवती की मौत हो गई। घटना के वक्त युवती पैदल कंपनी में नौकरी करने जा रही थी। आरोपी चालक बस को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। जानकारी के मुताबिक ईकोटेक तीन कोतवाली क्षेत्र के सरस्वती एनक्लेव कॉलोनी में 19 वर्षीय युवती सुजाता परिवार के साथ रहती थीं। युवती नोएडा की एक कंपनी में नौकरी करती थी। शनिवार की सुबह युवती अपनी मां के साथ कंपनी में ड्यूटी के लिए पैदल जा रही थी। क्रासा चौराहे के पास पीछे से आ रही बस ने युवती को टक्कर मार दी। घायल युवती को उपचार के लिए नजदीक के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। हादसे की सूचना पर पुलिस और युवती के परिजन मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बस को कब्जे में लिया है। पुलिस आरोपी चालक की तलाश में जुटी है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पहले बच्चे को पीटा फिर दादा और मां के साथ मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। ग्रेटर नोएडा, 08 नवंबर (वेब वार्ता)। बीटा दो कोतवाली क्षेत्र की डिवाइन ग्रेस सोसाइटी में रहने वाले एक परिवार के बच्चे के साथ मारपीट की गई। बच्चे के दादा और मां इसकी शिकायत लेकर आरोपी के घर पहुंचे तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। पीड़ति पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने दंपति समेत छह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सोसाइटी में रहने वाली अनीता देवी ने पुलिस को बताया कि एक नवंबर को उसके बेटे का जन्मदिन था। पीड़िता के मुताबिक, उसका 10 वर्षीय बेटा पड़ोस में रहने वाले अपने दोशतों को जन्मदिन के लिए बुलाने के लिए गया था। इसी बीच पड़ोसी सुभाष के 13 वर्षीय बेटे ने अपने साथियों के साथ मिलकर महिला के बेटे के साथ मारपीट की। महिला अपने ससुर के साथ आरोपी के घर शिकायत करने पहुंची तो आरोपियों ने महिला और उसके ससुर को भी पीटा। स

छत्तीसगढ़ में अडानी के प्रोजेक्ट पर भड़का लोगों का गुस्सा

बोले- किसी कीमत पर नहीं होने देंगे यह काम

रायगढ़, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में स्थित धरमजयगढ़ क्षेत्र में अंबुजा-अडानी की प्रस्तावित परियोजना को लेकर विरोध की लहर थमने का नाम नहीं ले रही। लगातार 24 घंटे तक रायगढ़ कलेक्ट्रेट के बाहर खुले आसमान के नीचे धरना देने के बाद अब ग्रामीणों ने सीधा एलान कर दिया है कि वे पुरुंगा में किसी भी कीमत पर जनसुनवाई को नहीं होने देंगे।

बीते दो दिनों से महिलाओं, पुरुषों और बच्चों की भारी भीड़ कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर डटी रही लेकिन प्रशासन और ग्रामीणों के बीच किसी भी तरह की बातचीत का रास्ता नहीं निकल सका। इस दौरान स्थानीय विधायक उमेश पटेल और लालजीत राठिया भी पूरी रात धरनास्थल पर ग्रामीणों के साथ मौजूद रहे।

शुक्रवार सुबह ग्रामीण अपने गांव लौट तो गए लेकिन उन्होंने साफ चेतावनी दी कि धरमजयगढ़ की

जमीन, जंगल और जलस्रोत की सुरक्षा के लिए जनसुनवाई को हर हाल में रोका जाएगा। महिलाओं ने आंदोलन के दौरान कहा,हमारे गांव, हमारे जंगल और पहाड़ बचेंगे, तभी हमारे बच्चे बचेंगे-इसलिए हम यहां खड़े हैं।

वहीं, विधायक उमेश पटेल और लालजीत राठिया ने ग्रामीणों के साथ खड़े रहते हुए प्रशासन पर ग्रामीणों की बात न सुनने का आरोप लगाया। लालजीत राठिया ने कहा- दो दिन तक ग्रामीण भूखे-प्यासे बैठे रहे, लेकिन कलेक्टर मिलने तक नहीं आए। अब हम अपनी जमीन और जंगल बचाने गांव लौट रहे हैं, और जनसुनवाई को किसी भी कीमत पर होने नहीं देंगे।

विधायकों के इस रुख से आंदोलन को और मजबूती मिल गई है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में विरोध और तीखा हो सकता है। उधर अपर कलेक्टर और एसडीएम महेश शर्मा लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए थे। उन्होंने बताया- ग्रामीणों ने 24 घंटे धरना देने के बाद गांव लौटने का फैसला लिया है, जिसका प्रशासन स्वागत करता है। जनसुनवाई का उद्देश्य ही लोगों की बात सुनना है, इसलिए सभी से अपील है कि वे अपनी बातें शांतिपूर्वक वहां रखें। इस विरोध को लेकर राज्य के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया पर लिखा, भाजपा सरकार लगातार छत्तीसगढ़ की संपदा को अडानी पर लुटाने का काम कर रही है। क्षेत्रवासियों के भयंकर विरोध के बावजूद भाजपा सरकार ने धरमजयगढ़ की पुरुंगा कोयला खदान अडानी समूह के स्वामित्व वाली अंबुजा सीमेंट को आवंटित कर दी है। लगभग 2150 एकड़ में फैला हुआ यह खदान क्षेत्र पेसा कानून के तहत संरक्षित क्षेत्र है, यहां की तीन ग्राम पंचायतों ने इस खदान के लिए 11 नवंबर को होने वाली जनसुनवाई के खिलाफ प्रस्ताव भी पारित कर दिया है लेकिन आदिवासी विरोधी भाजपा सरकार पेसा कानून को ठेंगा दिखाते हुए जनसुनवाई को लेकर अड़ी हुई है।

अजित पवार के बेटे पर लगे जमीन घोटाले के आरोपों के बाद ऐक्शन, डील रद्द

मुंबई, एजेंसी।
बेटे पार्थ पवार की विवादास्पद लैंड डील पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। अजित पवार ने कहा कि उनके बेटे पार्थ पवार से कथित तौर पर जुड़ा विवादास्पद भूमि सौदा रद्द कर दिया गया है। इसके साथ ही उन्होंने मामले की जांच रिपोर्ट की भी बात कही है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पुणे भूमि सौदे की जांच कर रही सरकारी समिति एक महीने में रिपोर्ट सौंपेगी।

इससे पहले बेटे से जुड़ी एक कंपनी पर अवैध जमीन सौदे में शामिल होने के आरोप लगने के एक दिन बाद अजित पवार ने, शुक्रवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। पवार के साथ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे भी थे। सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास 'वर्षा' में हुई यह मुलाकात लगभग 30 मिनट तक चली।

गौरतलब है कि अजित पवार के बड़े बेटे पार्थ पवार से जुड़ी एक कंपनी द्वारा किए गए 300 करोड़ रुपए की लागत से 40 एकड़ जमीन की खरीद के सौदे में गड़बड़ियों के आरोप लगे हैं। इसके चलते अब यह सौदा जांच के दायरे में आ गया है। सरकार ने गुरुवार को एक उच्च-स्तरीय जांच के आदेश दिए, मामले में शामिल एक उप-पंजीयक को निलंबित कर दिया और तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की। वहीं, महाराष्ट्र में 300 करोड़ रुपये के भूमि सौदे में उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बेटे के व्यावसायिक साझेदार दिग्विजय पाटिल समेत तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज होने के एक दिन बाद शुक्रवार को पाटिल, शीतल तेजवानी और निलंबित राजस्व अधिकारी सूर्यकांत येवाले के खिलाफ एक और प्राथमिकी दर्ज की गई।

पीओ कंपनी की मिनरल्स बोतल में मरी हुई मकड़ी की वीडियो वायरल

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

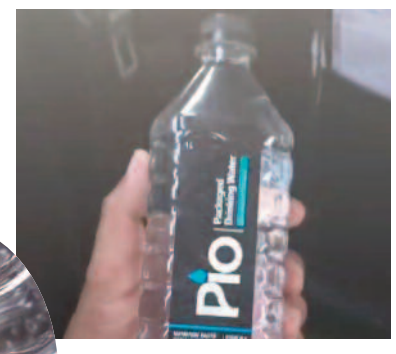

पीओ (PIO) कम्पनी की मिनरल्स पानी की 20 रुपये वाली बोतल खरीदने पर बोतल के अंदर मरी हुई मकड़ी सड़ने से रेलवे फाटक के निकट हिंदुश्तान कन्फेक्शनरी दुकान पर हंगामा करते हुए राहगीर ग्राहकों ने जान से खिलवाड़ करने के गंभीर आरोप लगाए।

कोतवाली रोड रेलवे फाटक के पास स्थित हिंदुश्तान कन्फेक्शनरी दुकान से एक 20 रुपये वाली पीओ (PIO) कम्पनी की पानी की बोतल के अंदर मरी हुई मकड़ी सड़ने वाली एक वीडियो बड़ी तेजी से वायरल हो रही है। उधर कन्फेक्शनरी के आस पास के ग्राहकों व लोगों में बोतल के अंदर मरी हुई मकड़ी मिलने से हड़कंप मच गया।

मिली जानकारी के अनुसार बोतल को खरीदने वाले ग्राहक ने दुकानदार से इस बोतल के बारे में पूछा तो उसने अपना पल्ला झाड़ते हुए सीधा कंपनी की कमी बताते हुए अपना पीछा छुड़ाया। इस पर मीडियाकर्मियों ने पीओ (PIO) कम्पनी के मालिक नगीना मेडिकल के संचालक पवन कटारिया से इस मामले में जानकारी की। तो उन्होंने सीधा दू टोक में कहा कि जिसने यह शिकायत की हैं। उसे डीएम साहब ने बुलाया है और 7 से 8 बजे रात को ही उसके साथ मीटिंग होगी। तभी हम आपको पूरी जानकारी दे सकेगें। समाचार भेजे जाने तक इस मामले में शिकायतकर्ता ग्राहक की ओर से कोई शिकायत नहीं की गई थी।

सेक्टर-15 मेट्रो स्टेशन से आईओसीएल तक बनेगा 121 मीटर लंबा स्काई वॉक

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

सेक्टर-15 मेट्रो स्टेशन से सेक्टर-1 के इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) को जोड़ते हुए 121 मीटर लंबा और 10 मीटर चौड़ा स्काई वॉक बनेगा। इससे सड़क पार करने वालों को राहत मिलेगी। नोएडा प्राधिकरण ने इसका टेंडर निकाला है। इसकी लागत 15.4 करोड़ रुपये होगी।

स्काई वॉक को बीओटी (बिल्ट, ऑपरेट, ट्रांसफर) के आधार पर बनेगा। जो एजेंसी बनाएगी उसके पास स्काई वॉक पर विज्ञापन लगाने का अधिकार होगा। इससे कंपनी अपनी लागत निकाल सकेगी।

11 साल बाद इसे प्राधिकरण को सौंप देगी। प्राधिकरण के जीएम आरपी सिंह ने बताया कि टेंडर के बाद एजेंसी चयन होने पर इसे छह से आठ माह में तैयार कराया जाएगा। प्राधिकरण को 11 वर्षों में करीब 15 करोड़ के राजस्व की भी प्राप्ति होगी।

सेक्टर-15 मेट्रो स्टेशन के पास दिल्ली की ओर से दो राश्तों से आने वाले वाहनों का दबाव रहता है। नोएडा के उद्योग मार्ग पर यातायात का भारी दबाव होता है। मेट्रो स्टेशन के नीचे से डीएससी रोड दूसरे स्टेशनों को जोड़ता है। ऐसे में पैदल सड़क पार करने में लोगों को दिक्कत होती है। इसके समाधान की मांग कई साल से की जा रही थी।

क्या है योजना

सेक्टर-15 मेट्रो स्टेशन पर उतरने वाले यात्रियों को सीढ़ियों के राश्ते नीचे मुख्य सड़क पर न उ त र क र स्काई वॉक के सहारे पु लि स चौकी से आ गे सेक्टर-14 की ओर जाने की सुविधा मिलेगी। इसकी मदद से लोगों को मुख्य सड़क पर चौराहे और दूसरे अन्य राश्तों से आने वाले वाहनों के बीच से सड़क पार करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

मेट्रो स्टेशन से सेक्टर-14 को जोड़ने वाले स्काई वॉक के बीच में सेक्टर-14 के कोने से एक और स्काई वॉक निकलेगा जो सेक्टर-1 इंडियन ऑयल बिल्डिंग तक जाएगा। उद्योग मार्ग जाने वाले यात्रियों को मेट्रो स्टेशन से यहां आकर उतरना होगा। इससे मेट्रो स्टेशन जाने वाले लोगों को खासी सुविधा होगी। मेट्रो स्टेशन से निकलने के बाद बीच में दो स्थानों पर उतरने की व्यवस्था रहेगी।

एक एस्कलेटर आईओसीएल के पास होगा। एक लिफ्ट और एस्कलेटर स्काई वॉक के दाएं मुड़ने वाली सड़क पर उतरेगा। यह स्काई वॉक डीएससी रोड और उद्योग मार्ग को क्रॉस करेगा। इसका एक और फायदा यह भी होगा कि मेट्रो से उतरने के बाद यात्रियों को सड़क क्रॉस नहीं करना होगा। वह चाहें तो सेक्टर-1, 2, 14, आदि जा सकेंगे।

सेल्फी प्वॉइंट और बैठने की होगी व्यवस्था

स्काई वॉक में बैठने की भी व्यवस्था होगी। यहां बेंच आदि लगेंगे। इसके अलावा सेल्फी प्वॉइंट भी बनाया जाएगा ताकि लोग इसका आनंद ले सकें। एलईडी डिस्प्ले लगेंगे।

चुनावी रैली में सिख धार्मिक चित्रों के इस्तेमाल पर बवाल, अनुसूचित जाति आयोग ने जारी किया नोटिस

तरनतारन, एजेंसी।
पंजाब में तरनतारन विधानसभा सीट उपचुनाव के दौरान भाई जीवन सिंह (भाई जैता जी) और गुरु तेग बहादुर साहिब की छवियों के अपमानजनक उपयोग का विवाद गहराता जा रहा है। इसी मामले को लेकर पंजाब अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष जसबीर सिंह गढ़ी ने पंजाब कांग्रेस को एक और नोटिस जारी कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लेते हुए पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा को 10 नवंबर को बुलाया है। तरनतारन के उपायुक्त को आधिकारिक पत्र के जरिए इस संबंध में 17 नवंबर को आयोग के समक्ष पेश होना है।

जसबीर सिंह गढ़ी ने बताया कि यह मामला सोशल मीडिया और समाचार पत्रों के माध्यम से आयोग के संज्ञान में आया है। इस पर कार्रवाई करते हुए आयोग ने बाजवा को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया है। इसके अलावा, तरनतारन के उपायुक्त को एक आधिकारिक पत्र के माध्यम से इस संबंध में 17 नवंबर तक सक्षम प्राधिकारी के माध्यम से जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मामला

रिपोर्ट में आदर्श आचार संहिता और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के प्रावधानों पर विचार करने के बाद की गई

कार्रवाई शामिल होनी चाहिए। इससे पहले आयोग पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह राजा वडिंग को भी पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री बूटा सिंह के मामले में तलब कर चुका है। ताजा मामला सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बना हुआ है। इंटरनेट यूजर्स संयमित भाषा का इस्तेमाल करने की बात कह रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, सेना ने 2 आतंकियों को मार गिराया

कुपवाड़ा , एजेंसी।
जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा के साथ घुसपैठ की कोशिश को सेना ने नाकाम कर दिया। साथ ही, जवानों ने 2 अज्ञात आतंकवादियों को मारा गिराया है। सेना के श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने बताया कि खुफिया एजेंसियों से इनपुट मिला था। इसके आधार पर कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश को रोकने के लिए अभियान शुरू किया गया। सेना ने एक्स पर पोस्ट में कहा, सतर्क सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और चुनौती दी। इस दौरान आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया। फिलहाल इलाके की तलाशी जारी है।

वहीं, श्रीनगर में पुलिस ने शुक्रवार को तीन संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया। उनके पास से हथियार और गोला-बारूद जब्त कर आतंकी साजिश नाकाम कर दी गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि ममता चौक, कोनाखान डलगेट के पास नियमित वाहनों की जांच चल रही थी। इस दौरान पुलिस की टीम ने बिना पंजीकरण संख्या वाली काले रंग की मोटरसाइकिल को रोका। रुकने का इशारा करने पर मोटरसाइकिल सवार और पीछे बैठे दो लोगों ने भागने की कोशिश की, लेकिन सतर्क पुलिसकर्मियों ने उन्हें तुरंत पकड़ लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया

कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान शाह मुतैयब और कामरान हसन शाह के रूप में हुई है। ये दोनों कुलीपोरा खानयार श्रीनगर के निवासी हैं। मोहम्मद नदीम उत्तर प्रदेश के मेरठ का निवासी है और वर्तमान में कावा मोहल्ला, खानयार में रह रहा है। पुलिस ने बताया कि इनके पास से एक देसी कट्टा और 9 जिंदा कारतूस बरामद हुए। शुरुआती जांच से संकेत मिलता है कि आरोपी बरामद हथियार और गोला-बारूद का इस्तेमाल करके इलाके में किसी आतंकी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। खानयार पुलिस स्टेशन में यूएपीए और मोटर वाहन अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

फरीदाबाद पहुंची बाबा बागेश्वर की सनातन एकता यात्रा; क्रिकेटर शिखर धवन भी जुड़े

फरीदाबाद, एजेंसी। बाबा बागेश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की 'सनातन हिन्दू एकता पदयात्रा' शनिवार सुबह फरीदाबाद में प्रवेश कर गई। क्रिकेटर शिखर धवन भी इस यात्रा में शामिल हुए। इस दौरान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने पाली चौक पर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। पदयात्रा के दौरान कई सड़कों पर जाम लगने और रूट डायवर्जन के चलते फरीदाबाद से गुरुग्राम जाने वाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शुक्रवार 7 नवंबर को शुरू हुई यह पदयात्रा 16 नवंबर को वृंदावन में संपन्न होगी। पदयात्रा के स्वागत के लिए ईएसआईसी चौक से सैनिक कॉलोनी चौक तक लोगों ने यात्रा मार्ग पर स्थित अपने घरों की छतों पर जय श्री राम लिखे झंडे लगाए। पदयात्रा के दौरान पूरे रोड पर जगह-जगह भारी पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस ने यात्रा मार्ग में खड़े वाहनों को हटवा दिया। बाबा बागेश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन एकता पदयात्रा आज सुबह जैसे ही हरियाणा के फरीदाबाद जिले में पहुंची, माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया। दिल्ली के छतरपुर से शुरू हुई यह यात्रा आज अरावली के मांगर कट से होते हुए पाली पहुंची। पदयात्रा में बाबा बागेश्वर के साथ क्रिकेटर शिखर धवन भी शामिल हैं। इस बीच मंत्रोच्चार, ढोल-नगाड़ों और जय श्रीराम के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। पाली चौक पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

अगर मंत्रियों के बेटे गलत कामों में लिप्त हैं, तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए: अन्ना हजारे

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के बेटे से जुड़े मामले में राजनीति तेज हो गई है। उन्होंने भले ही अपने आप को इस मामले से अलग करके यह कह दिया हो कि पार्थ को इसकी जानकारी नहीं थी, लेकिन तब भी विपक्ष इस मुद्दे को हवा देने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। इसी बीच भ्रष्टाचार के खिलाफ मुखर होकर आवाज उठाने वाले सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने भी इस मुद्दे पर अपनी राय दी है। उन्होंने कहा कि अगर मंत्रियों के बच्चे गलत कामों में लिप्त हैं, तो उन्हें भी इसके लिए दोषी ठहराया जाना चाहिए। आंदोलनों का नेतृत्व कर चुके हजारे ने पुणे शहर में सरकारी जमीन से जुड़े 300 करोड़ रुपये के सौदे में अनियमितता पाए जाने पर सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा, ''यह वाकई दुर्भाग्यपूर्ण है। अगर मंत्रियों के बच्चे गलत कामों में लिप्त हैं, तो इसके लिए मंत्रियों को ही दोषी ठहराया जाना चाहिए। ज्यादा महत्वपूर्ण मूल्य हैं, वे मूल्य जो परिवारों से आते हैं। ऐसी सभी

चीजें मूल्यों की कमी के कारण होती हैं।'' अहिल्यानगर जिले के अपने पैतृक गांव रालेगण सिद्धि में पत्रकारों से बात करते हुए हजारे ने कहा, ''सरकार को नीतिगत फैसले लेने चाहिए और ऐसी चीजों पर अंकुश लगाने के लिए कड़े कदम उठाने चाहिए। ऐसे लोगों (जो अनियमितताएं करने के दोषी पाए गए हैं) के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।'' आपको बता दें, डिप्टी सीएम अजित पवार के बेटे से जुड़े मामले में महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार को एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया यह समिति पुणे में हुए एक भूमि सौदे में कथित अनियमितताओं की जांच करेगी। गौरतलब है कि पुणे के पॉश मुंधवा इलाके में 300 करोड़ रुपये में 40 एकड़ जमीन की बिक्री के सौदे ने राजनीतिक हलचल मचा दी है।

यूपी में पशु तस्करों के खिलाफ बड़ा अभियान, आधी रात को फिर हुआ एनकाउंटर

देवरिया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में पशु तस्करों के खिलाफ पुलिस ने बड़ा अभियान चला रखा है। इसके तहत शुक्रवार की आधी रात को फिर एनकाउंटर हुआ है। इस बार प्रदेश के देवरिया जिले में पुलिस और पशु तस्करों के बीच गोलियां तड़तड़ाईं। इसमें पैर एक पशु तस्कर को पैर में गोली लगने के बाद गिरफ्तार किया गया। उसे इलाज के लिए देवरिया के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। बता दें कि एक दिन पहले ही लखनऊ एसटीएफ और आजमगढ़ पुलिस के ज्वाइंट ऑपरेशन में 50 हजार रुपए के इनामी पशु तस्कर को एनकाउंटर में मार गिराया गया था। मारे गए बदमाश की पहचान 27 साल के वाकिब उर्फ वाकिफ के रूप में हुई थी। वह आजमगढ़ के फूलपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला था। देवरिया में पकड़े गए पशु तस्कर का नाम मुबारक है।

वह पड़ोसी राज्य बिहार के सिवान जनपद के हुसैनगंज थाना क्षेत्र के ग्राम हरिहास का रहने वाला है। मुबारक के खिलाफ 2023 में पशु तस्करी का केस दर्ज किया गया था। वह इस मामले में फरार चल रहा था। आधी रात के बाद पुलिस को सूचना मिली कि वह खरवनिया बंधे के पास है और मोटर साइकिल से जा रहा है। सूचना के बाद पुलिस पहुंच गई और घेराबंदी की।

सड़क हादसों में महिला और युवक की मौत

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मुरादनगर में अलग-अलग स्थानों पर सड़क हादसों में महिला और युवक की मौत हा गई। दादरी निवासी वीरभान सिंह का 22 वर्षीय पुत्र मोहित शर्मा बाइक से रावली सुराना मार्ग की ओर जा रहा था। जब वह दिल्ली मेरठ मार्ग पर गांव मिल्क रावली के सामने पहुंचा तो पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने ओवरटेक करने के चक्कर में बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद बाइक सवार मोहित डंपर के पहिए के नीचे आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके अलावा दिल्ली मेरठ मार्ग पर काइट संस्थान के सामने सड़क पार कर रही महिला को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। मौके पर ही महिला की मौत हो गई। मृतका की शिनाख्त गांव खुर्मपुर निवासी 50 वर्षीय कमलेश पत्नी दयाचंद के रूप में हुई।

अवैध हथियार रखने पर 500 रुपये का जुर्माना

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। अवैध हथियार रखने के दोषी को अदालत ने 500 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। अदालत से मिली जानकारी के मुताबिक वर्ष 2007 में पुलिस ने जांच के दौरान तस्लीम के पास से अवैध हथियार बरामद किया था। मामले की सुनवाई लंबे समय से अदालत में विचाराधीन थी। सुनवाई के दौरान तस्लीम ने अपना दोष स्वीकार कर लिया। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट संख्या-1, नेहा बानौधिया की अदालत ने अभियुक्त को 500 रुपये जुर्माना की सजा सुनाई।

छात्रा से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर थाना क्षेत्र के एक गांव में कक्षा आठ छात्रा के साथ दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से घटना को लेकर पूछताछ की जा रही। एक गांव निवासी 13 वर्षीय छात्रा से टाइल्स लगाने वाले मजदूर ने दुष्कर्म किया था। आरोपी ने अश्लील वीडियो बनाकर छात्रा से 40 हजार रुपये और आभूषण भी हड़प लिए थे। आरोपी दूसरे समुदाय से संबंध रखता है। सीओ मोदीनगर अमित सक्सेना ने बताया कि पुलिस ने आरोपी रिहान निवासी हापुड़ रोड मोदीनगर को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने बताया कि श्मशान घाट में काम करने के दौरान छात्रा से उसकी बात हो गई थी। इसके बाद छात्रा के साथ दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बना लिया था। आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

युवक के पैर में गोली मारी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी के अगरौला गांव में एक युवक ने दूसरे युवक के साथ हुए विवाद के बाद पैर में गोली मार दी। घायल की हालत खतरे से बाहर है। पीड़ति के पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। अगरौला गांव निवासी संजय का पुत्र गौरव चार नवंबर को घर से किसी काम से जा रहा था। जब वह गांव स्थित हनुमान मंदिर के पास पहुंचा तो वहां मौजूद गांव निवासी हर्ष के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि हर्ष ने गौरव के साथ मारपीट कर उसके बाएं पैर में तमंचे से गोली मार दी। इसके बाद आरोपी युवक को अंजाम भुगतने की धमकी देकर फरार हो गया। गांव के लोगों ने घायल के परिजनों को सूचना दी। सीओ लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पीड़ति के पिता की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

भोपुरा-तिराहा से हिंडन एयरपोर्ट तक फ्लाईओवर बनाने की मांग

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। शालीमार गार्डन जनकल्याण समिति के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को सांसद अतुल गर्ग से उनके निवास स्थान पर मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने वजीराबाद-मोहन नगर मार्ग पर भोपुरा तिराहा से हिंडन एयरपोर्ट कट तक फ्लाईओवर बनाने की मांग की। जनकल्याण समिति के सदस्य प्रदीप गुप्ता ने बताया कि भोपुरा तिराहे से हिंडन एयरपोर्ट कट तक हमेशा गंभीर जाम की स्थिति बनी रहती है। सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि हिंडन एयरपोर्ट शुरू होने के बाद रोजाना करीब पांच हजार वाहनों का आगमन इस मार्ग से होता है। इस वजह से जाम की स्थिति रहती है। उन्होंने जिलाधिकारी और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को पत्र लिखा है। इस मौके पर प्रतिनिधिमंडल से दिलीप कुमार, अशोक भान व सुनील दत्त समेत अन्य लोग मौजूद रहें।

चोरी की स्कूटी के साथ दो गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी बॉर्डर थाना पुलिस ने सेवाधाम पाइप लाइन रोड से दो चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से दिल्ली से चुराई स्कूटी बरामद हुई। दोनों रेकी कर बंद घरों और दुकानों में चोरी की घटना को अंजाम देते थे। लोनी बॉर्डर थाना पुलिस शनिवार सुबह सेवाधाम पाइप लाइन रोड पर वाहनों की जांच कर रही थी। इस दौरान पुलिस ने सूचना पर दिल्ली की ओर से स्कूटी से आ रहे दो युवकों को जांच के लिए रोका। जांच करने पर स्कूटी के दिल्ली में चोरी की रिपोर्ट दर्ज होने का पता चला। पुलिस दोनों को गिरफ्तार कर पूछताछ के लिए थाने ले आई। सीओ अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने आरोपियों की पहचान राहुल और मंगल निवासी नंद नगरी दिल्ली के रूप में हुई। इन्होंने स्कूटी को दिल्ली जीटीबी अस्पताल की पार्किंग से चुराना स्वीकार किया है। इन्होंने बताया कि दिन में रेकी कर रात के समय दुकान और मकान में चोरी की घटना को अंजाम देते थे।

स्वास्थ्य केंद्र का ताला तोड़ सामान चोरी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के थाना निवाड़ी क्षेत्र के गांव सुहाना स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर का ताला तोड़कर बदमाशों ने सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। गांव सुहाना स्थित स्वास्थ्य विभाग का आयुष्मान आरोग्य मंदिर है। बदमाशों ने ताला तोड़कर इनवर्टर, बैटरी, बीपी मशीन, ग्लूकोमीटर, एचबी मीटर, लाइट, बल्ब समेत अन्य सामान को चोरी कर लिया। पुलिस का कहना है कि बदमाशों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

छंटाई के नाम पर आरडब्लूए ने बिना अनुमति कोटे हरे पेड़

इंदिरापुरम की शिप्रा कृष्णा विस्ता सोसाइटी के लोगों में रोष

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद✷

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण से लोग त्रश्त हैं, हर तरफ प्रदुषण से हाहाकार मचा हुआ हैं जब पूरा एन सी आर ऑड-ईवन , स्मॉग टॉवर और वृक्षारोपण अभियान की बात कर रहा हैं तब एक आवासीय सोसाइटी का यह कृत्य चौंकाने वाला हैं कि गाजियाबाद की शिप्रा कृष्णा विश्ता सोसाइटी में हरियाली पर खुद सोसाइटी प्रबंधन (AOA) की आरी चल गई।

छंटाई के नाम पर दर्जनों घने हरे पेड़ों को काट दिया गया, जिससे निवासियों में जबरदश्त नाराजगी है। निवासियों को झकझोर दिया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह "छंटाई" नहीं, बल्कि "पेड़ों का संहार" है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पूरा एनसीआर प्रदूषण से जूझ रहा है और सरकारें वृक्षारोपण को बढ़ावा देने में लगी हैं, तब एक आवासीय सोसाइटी द्वारा इस तरह पेड़ों को काटना अत्यंत निराशाजनक है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह कोई "छंटाई" नहीं हैं बल्कि सुनियोजित हरियाली का नर संहार हैं एक निवासी के अनुसार विशाल पीपल , नीम और अमलतास के पेड़ो रातो-रात गायब हो गए हैं अब सोसाइटी की दूषित पर्यावरण से पक्षी चले गए हैं और प्रदुषण का श्तर खतरनाक हो गया हैं

सोसाइटी के एक निवासी ने कहा, "जब पूरा दिल्ली-एनसीआर प्रदूषण से जूझ रहा है, तब पेड़ पौधों पर पानी डालने की बजाय हम उन्हें काटने में लगे हैं। यह बेहद निराशाजनक है।" दूसरे निवासी ने बताया, "हरियाली बनाए रखने के बजाय AOA बार-बार पेड़ों पर आरी चला रही है। यह फैसला बिना निवासियों की राय के लिया गया है।"

वहीं एक महिला निवासी का कहना है, "सोसाइटी में हॉर्टिकल्चर का मतलब बस पेड़ काटना रह गया है, रखरखाव शून्य है और हॉर्टिकल्चर के नाम पर हजारो रुपए बर्बाद किए जा रहे हैं " एक अन्य निवासी ने बताया, "ई ब्लॉक के मोड़ पर एक सुंदर हरसिंगार का पेड़ था, जिसकी खुशबू से पूरा परिसर महक उठता था। अब वो पेड़ भी बेरहमी से काट दिया गया है। यह किसी भी तरह प्रूनिंग नहीं है, यह सीधा विनाश है। निवासियों ने सोसाइटी प्रबंधन समिति (आर.डब्लू.ए) पर गंभीर आरोप लगते हुए कहा कि बिना किसी मीटिंग , नोटिस और निवासियों की सहमति के यह कार्यवाही की गई हैं सोसाइटी की प्रबंधन समिति ने पेड़ो की कटाई करने वाले ठेकेदार को मर्जी से काटने की खुली छुट दे रखी हैं |

सोशल मीडिया पर वायरल विडियो और तस्वीरों में कटे हुए पेड़ो के ढेर को रोते बिलखते बच्चे दिख रहे हैं और ठेकेदार ने बताया है कि काटी हुईं पेड़ो की कटी लकडिया बाज़ार में बेचीं भी जा सकती हैं

निवासियों का कहना है कि जहां सरकारें प्रदूषण घटाने के लिए वृक्षारोपण की अपील कर रही हैं, वहीं सोसाइटी में पेड़ों को ही खत्म किया जा रहा है।

लोगों ने इसे "इकोलॉजिकल क्राइम" बताया। रेजिडेंट्स ने इस मामले में प्रशासन से हश्तक्षेप करते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

निवासियों ने AOA की कार्रवाई को तानाशाही बताते हुए इसे "पर्यावरणीय अपराध" करार दिया है और प्रशासन से तत्काल हश्तक्षेप कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है

निवासियों ने नेशनल हरित ट्रिब्यूनल , वन विभाग , ग़ाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण , ग़ाज़ियाबाद नगर निगम और पुलिस से तत्काल हश्तक्षेप की गुहार लगाई हैं और उनकी मांग हैं कि आर.डब्लू.ए के खिलाफ FIR हो और दोषी ठेकेदार पर 50 हज़ार रुपए प्रति पेड़ का जुर्माना लगे और प्रति हरे भरे कटे पेड़ की जगह 10 नए पेड़ लगाये , सोसाइटी में तुरंत CCTV फुटेज जब्त की जाये

निवासियों का कहना है कि भविष्य में इस तरह कि कार्रवाई AOA आधिकारिक अनुमति और वन विभाग की सलाह के कराई। लोगों ने मांग की है कि भविष्य में ऐसी छंटाई के वक्त हॉर्टिकल्चर टीम की मौजूदगी जरूरी की जाए, ताकि पेड़ों को अनावश्यक नुकसान न पहुंचे।

फर्जी पुलिस एंड क्राइम इंवेस्टीगेशन ब्यूरो का खुलासा, 6 गिरफ्तार

लोकसेवक जैसा व्यवहार करते थे, आरोपी खुद को इंटरपोल और आईबी से भी बताते थे, कई मंत्रालय के दस्तावेज बरामद

✷एनसीआर टुडे. नोएडा✷

पुलिस ने सूचना के आधार पर रविवार को सेक्टर-70 में फर्जी पुलिस का कार्यालय पकड़ा। इसमें हूबहू पुलिस दफ्तरों की तरह बोर्ड लगा था।

उस पर 'इंटरनेशनल पुलिस एंड क्राइम इंवेस्टीगेशन ब्यूरो' लिखा था। पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये बताते थे कि उनका ऑफिस यूके में भी है।

लोकसेवक की तरह व्यवहार करते थे। वेबसाइट के जरिये लोगों से डोनेशन के रूप में पैसा ले रहे थे। पुलिस के मुताबिक, यह कार्यालय आम जनता को गुमराह कर ठगी के लिए खोला गया था। ठगी का जाल बिछा पाते इससे पहले पुलिस ने पकड़ लिया।

आरोपी खुद को इंटरपोल और आईबी से जुड़ा भी बताते थे। सेंट्रल जोन पुलिस ने इनके नेटवर्क और वित्तीय लेनदेन की जांच शुरू कर दी है। डीसीपी सेंट्रल शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि सभी आरोपी पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं।

वीरभूम के विभाष, अराग्य अधिकारी, समापदमल, पिंटूपाल, 24 परगना के बाबुल चंद्र मंडल और कोलकाता के अशीष कुमार ने चार जून को यहां जगह किराये पर लेकर रेंट एग्रीमेंट कराया था।

ये 8-10 दिन से बोर्ड लगाकर कार्यालय चला रहे थे। पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आरोपी पुलिस का काम कराने और खुद को पुलिस के समकक्ष संस्था में लोकसेवक होने की भ्रामक जानकारी रहे थे। इनमें से एक एलएलबी, एक स्नातक, चार 12वीं पास हैं।

जनजातीय कार्य मंत्रालय, मिनिस्ट्री ऑफ आयुष एंड मिनिस्ट्री ऑफ सोशल जस्टिस एंड एंपावरमेंट के दस्तावेज मिले।

फेज-3 पुलिस की कार्रवाई में आरोपियों से जनजातीय कार्य मंत्रालय, मिनिस्ट्री ऑफ आयुष एंड मिनिस्ट्री ऑफ सोशल जस्टिस एंड एंपावरमेंट समेत कई मंत्रालय के फर्जी दस्तावेज, प्रेस, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग समेत कई संस्थाओं के नौ आईडी कार्ड, नौ मोबाइल, 17 स्टांप मोहर, छह चेकबुक, पैन कार्ड, वोटर कार्ड, 6 डेबिट कार्ड, तीन प्रकार के विजिटिंग कार्ड, चार इंटरनेशनल पुलिस एंड क्राइम इंवेस्टीगेशन ब्यूरो लिखे बोर्ड, 42,300 रुपये और अन्य दस्तावेज बरामद हुए हैं।

वेबसाइट के जरिये लेते थे पैसा

पुलिस का दावा है कि आरोपी अपनी संस्था को अंतरराष्ट्रीय श्रेणी का बताने के लिए इंटरपोल, इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन और इयूरेसिया पोल से संबंध बताते थे।

अपनी वेबसाइट www.intlpcrib.in के जरिए लोगों से डोनेशन के रूप में पैसा भी लेते थे। इस वेबसाइट पर कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रमाण पत्र भी दिखाई देते हैं।

पश्चिम बंगाल में भी चला चुके हैं फर्जी ऑफिस

पुलिस के मुताबिक, आरोपी पहले पश्चिम बंगाल में भी ऐसा ऑफिस चला चुके हैं। इनका क्राइम रिकॉर्ड भी पुलिस खंगाल रही है।

संदिग्ध कार्यशैली को लेकर कमिश्नरेट पुलिस के साथ एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं। आरोपियों के चार बैंक खातों का विवरण निकाला जा रहा है।

कांग्रेस कमेटी के वार्ड अध्यक्षों को किया सम्मानित

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद✷

जिला कांग्रेस कमेटी गाजियाबाद के द्वारा मुरादनगर शहर कांग्रेस कमेटी के वार्ड अध्यक्षों की नियुक्ति कर उन्हें सम्मानित किया गया तथा निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाताओं की घर-घर सत्यापन में पोलिंग बूथ कांग्रेस अध्यक्ष की मेहता जिम्मेदारी के बारे में बताया तथा उन्हें जिम्मेदारी के साथ एक-एक मतदाता के नाम को सूची में शामिल करने पर जोर दिया जाएगा।

ऑनलाइन मतदाता जो 18 साल के हुए उनको bla2 एजेंट ओके द्वारा मतदाता सूची में जोड़ा जाएगा और जिनकी मतदाता सूची में किसी भी कर्म से नाम काट दिए गए हैं या कोई काटे जाने हैं या जोड़े जाने हैं।

उनको पी एल टू संतों के द्वारा आम जनता को सरगोजा के लिए घर-घर जाकर उनके नाम सूचीबद्ध किए जाएंगे यह सभी कार्य जो कांग्रेस पार्टी के द्वारा वूथ और ब्लॉक लेवल पर तैयारी की जा रही है वह आने वाले चुनाव को देखते हुए पिछले 15 सालों में कांग्रेस पार्टी द्वारा घर-घर जाकर बोट को जोड़ने का कार्य किया जाएगा।

जो ब्लू के द्वारा लापरवाही की गई है उनकी शिकायत भी दर्ज करवाई जाएगी मुरादनगर शहर अध्यक्ष श्रीपाल सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा मुख्य अतिथि के रूप मैं मौजूद रहे।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता देव दत्ता त्यागी जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र चौधरी तथा विनोद शर्मा जिला महासचिव विश्व दीप त्यागी सदा इलाही अलीमुद्दीन कसर जिला सचिव लोकेंद्र विश्वकर्मा चांद सिंह प्रधान पीसीसी सदस्य राजवीर सिंह खबर प्रेषित आशुतोष गुप्ता मीडिया प्रभारी द्वारा सहित मुरादनगर के वार्ड अध्यक्ष एवं पदाधिकारी वह कांग्रेस समर्पित कार्यकर्ता मौजूद रहे

उत्तराखंडी कौतिक के लिए भूमिपूजन सम्पन्न

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद✷

उत्तराखण्ड धरोहर संरक्षण समिति पंजी० के तत्वाधान में उत्तराखण्ड

राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती पर सांस्कृतिक समारोह 'उत्तराखण्डी कौतिक' का आयोजन पानी की टंकी के पास पार्क सेक्टर 5 वैशाली गाजियाबाद में रविवार 9 नवंबर को होने जा रहा है।

इस उपलक्ष्य में आज भूमिपूजन किया गया जिसमें समश्त पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। उत्तराखंडी कौतिक में उत्तराखंड के जानेमाने लोक गायकों-कलाकारों का जलवा देखने को मिलेगा।

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ा प्रदूषण, एक्यूआई 400 के करीब, कई इलाकों में 'गंभीर' श्रेणी में पहुंचा स्तर

✷एनसीआर टुडे. नोएडा✷

दिल्ली-एनसीआर में न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग (आईएमडी) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार आने वाले सात दिनों तक न्यूनतम तापमान 13 डिग्री के आसपास रहेगा, जबकि सुबह-शाम की ठंडी हवाएं सर्दी के एहसास को और तेज कर रही हैं।

बारिश की संभावना फिलहाल नहीं है और मौसम पूरी तरह 'फॉग' यानी कोहरे की स्थिति के साथ बना रहेगा। सर्दी के साथ-साथ हवा की गुणवत्ता तेजी से बिगड़ती जा रही है। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के बड़े हिस्सों में एयर क्वालिटी इंडेक्स बेहद खराब स्थिति में पहुंच गया है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की मॉनिटरिंग के मुताबिक दिल्ली के कई स्टेशनों पर एक्यूआई 'गंभीर' श्तर यानी 350 से 400 के बीच रिकॉर्ड किया गया। अलिपुर (355), आनंद विहार (359), अशोक विहार (363), बवाना (403), बुराड़ी (376) और करणी सिंह शूटिंग रेंज (342) जैसे कई इलाकों में हवा की स्थिति बेहद

खराब है। इसी तरह एनसीआर के गाजियाबाद और नोएडा में भी हालात चिंताजनक बने हुए हैं। गाजियाबाद के इंदिरापुरम में एक्यूआई 271, लोनी में 336, संजय नगर में 269 और वसुंधरा में 368 दर्ज किया गया। वसुंधरा और लोनी जैसे इलाकों में प्रदूषण बेहद गंभीर श्रेणी में बना हुआ है, जो सांस एवं दिल से जुड़ी बीमारियों के लिए बड़ा खतरा है।

नोएडा में भी स्थिति बेहतर नहीं है। सेक्टर-125 में एक्यूआई 328, सेक्टर-62 में 323, सेक्टर-1 में 326 और सेक्टर-116 में 333 तक पहुंच गया। हेल्थ इम्पैक्ट अलर्ट के अनुसार, यह वायु गुणवत्ता लंबे समय तक संपर्क में रहने पर फेफड़ों और सांस संबंधी बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ा सकती है, खासकर बच्चों, बुजुर्गों और अस्थमा-पीड़ित लोगों के लिए।

मौसम विभाग के मुताबिक परेशानी इसलिए बढ़ रही है कि तापमान गिरने से हवा भारी हो रही है। हवा की गति धीमी है, प्रदूषक सतह पर जमा रहते हैं। कोहरे और स्मॉग का मिश्रण धुंध को और घना करता है।

निर्माण कार्य और वाहन उत्सर्जन बड़े कारण बनकर सामने आ रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को सुबह-शाम बाहर कम निकलने, मास्क का इश्तेमाल करने और प्रदूषण में सीधे संपर्क से बचने की सलाह दी है।

भारतीय हॉकी के 100 वर्ष होने पर एमएम इंटर कॉलेज में हॉकी शताब्दी समारोह का आयोजन

चेयरपर्सन ताहिरा खलील व शेख शाहनवाज़ खलील ने पुरस्कार दिये

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

भारतीय हॉकी को 100 वर्ष पूर्ण होने पर शाइनिंग हॉकी क्लब की ओर से इंटर कॉलेज के मैदान पर हॉकी शताब्दी समारोह के अवसर पर एक दिवसीय टूर्नामेंट का आयोजन किया गया।

जिसमें शाइनिंग गर्ल्स टीम इंटर कॉलेज गर्ल्स टीम व ओल्ड बॉयज के बीच दो शानदार मैच हुए। एम एम गर्ल्स टीम की ओर से सुधा, खुशबू, कनिका, कशिश, हिमांशी, संध्या, रुखसार, रौनक, आगरा, शरफ अंजुम, रिया, रिदा शाइनिंग गर्ल्स की ओर से शिफा कुरैशी, जिक्रा, अदीबा, लायबा, हिफ्ज़ा, अफीफा, जोया, इल्मा, मायशा, अफशा, सानिया, आफिया, रहनुमा, मुबाशरा, नबिया, अल्फिशा खिलाड़ियों ने भाग लिया।

वहीं दूसरी ओर ओल्ड बॉयज शाइनिंग क्लब की ओर से जुबेर जैदी, हसन जावेद, अफसर सिद्दीकी, डॉ आदिल अलीम, निगार, मुहम्मद अरशद डॉ शेख नगीनवी, मोहम्मद तारिक तुफैल एडवोकेट, फैजुर रब, मोहम्मद दानियाल, मास्टर शहजाद अहमद, अनीस अहमद अंसारी, असद कबीर, मोहम्मद इम्रान, जगमीत, सतीश शर्मा, मंजूर हसनैन, अमन शम्सी, सुनील कुमार, राजीव कुमार, परवेज आदिल, सरदार शम्सी, शाहिद अली गौहर, अरशद प्रिंस, लाल विनोद अग्रवाल, ने मैत्री मैच खेला। गर्ल्स टीम बराबर रही। जबकि शाइनिंग ओल्ड बॉयज में मास्टर शाहिद अली गौहर के गोल ने टीम को विजयी बनाया। एक बार मेमोरियल गर्ल्स स्कूल की छात्राओं आफिया, अलीशा, नव्या और अदीन ने' चक दे इंडिया' पर अपनीप्रश्तुति दी।

नगर पालिका परिषद नगीना की चेयरपर्सन श्रीमती ताहिरा खलील ने पुरस्कार व स्मृति चिन्ह वितरित किए।

जबकि विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष संघ के जिला अध्यक्ष शेख शाहनवाज खलील ने अपने संबोधन में एम एम इंटर कॉलेज की फील्ड को मिनी स्टेडियम में परिवर्तित करने और खेलों के विकास में अपने तर्कपूर्ण एवं आध्यात्म से भरे भाषण में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर जावेद हुसैन सिद्दीकी एडवोकेट, नौशाद अंसारी, गौरव गोयल, जमशेद शेख, शददन ठेकेदार, आमिर शबाहत, मोहम्मद इकराम, सुभाष कपूर पप्पू, शेख नौशाद अप्पा, ठेकेदार जुबेर सैयद एजाज अहमद, अरिंजय कुमार जैन, तंजील आलम, गोपाल शर्मा, राशिद मेंबर, जहीर अनवर, फरीद अहमद खान एडवोकेट, मोहम्मद आरिफ एडवोकेट, अमन सिद्दीकी आदि उपस्थित रहे।

मंदिर में नकदी गायब, पुलिस ने जांच शुरू की

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

नगर के प्रसिद्ध रामलीला मैदान स्थित हनुमान मंदिर में शुक्रवार दोपहर दानपात्र (गल्ला) से नकदी गायब होने की घटना सामने आई है।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और जांच शुरू कर दी। मालूम हो कि , किसी अज्ञात व्यक्ति ने मंदिर में रखे गल्ले से नकदी निकाल ली। स्थानीय लोगों ने जब यह देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुँचे झालू चौकी प्रभारी कुलदीप कुमार ने टीम के साथ मंदिर परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली।

फुटेज में लाल रंग की टी-शर्ट पहने एक युवक दिखाई दे रहा है। पुलिस ने बताया कि फुटेज के आधार पर पहचान का प्रयास किया जा रहा है और घटना का खुलासा जल्द किया जाएगा।

झालू चौकी प्रभारी कुलदीप कुमार ने बताया कि मंदिर कमेटी की तरफ से अभी तक कोई तहरीर नहीं दी गई है, फिर भी पुलिस अपनी ओर से आवश्यक कार्रवाई कर रही है। पुलिस ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे मंदिरों और सार्वजनिक स्थलों पर सतर्क रहें। किसी संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। स्थानीय लोगों का कहना है कि मंदिर में सुरक्षा बढ़ाई जाए और सीसीटीवी कैमरों की नियमित निगरानी की जाए। ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रोनिक निविदा ई प्रणाली के अन्तर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई–निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र.सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	77256552	टंगस्टन कार्बाइड टेम्पिंग टूल फॉर ओल्ड सी एस ऍम/डब्ल्यू एस टी	25 सेट	02-12-25
02	19251766	मेतालिज़ेद कार्बन स्ट्रीप फॉर इलेक्ट्रिक लोकोस	1960 नग	04-12-25
03	08250027	सप्लाई ऑफ़ शंट एल इ डी सिगनल	4731 नग	15-12-25
04	02252507	40 ए च/110 व् एल ऍम एल ए बैटरी सेट एस पर आर डी एस ओ	148 सेट	15-12-25

निविदा शर्तें – 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।

टेंडर नोटिस सं. 58/2025–2026 दिनांक:–07.11.2025 3472/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

आम आदमी को अदालतों से सस्ता सुलभ न्याय कब मिलेगा?

देश की अदालतों से आम आदमी को इंसाफ मिलना आज भी सपना बना है। जटिल न्यायिक प्रक्रिया अदालत में ऊपर से नीचे तक हर पायदान पर व्याप्त भ्रष्टाचार और मुकदमों के अनुपात में न्यायिक अधिकारियों का अभाव इसका जिम्मेदार है।

कुछ लोग तो जीवन भर न्याय पाने की चाहत में दम तोड़ जाते हैं लेकिन अदालत से फैसला नहीं मिलता। समय पर न्याय, न्याय व्यवस्था में जनता के विश्वास की आधारशिला है, जैसा कि इस कहावत में भी स्पष्ट है कि 'न्याय में देरी, न्यायतंत्र से इनकार के समान है।' लंबे समय तक देरी अक्सर लोगों को अदालत जाने से रोकती है। पिछले साल, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इस झिझक को 'ब्लैक कोट सिंड्रोम' कहा था। लेकिन अब इसका दायरा चौंकाने वाला है। सर्वोच्च न्यायालय में 86, 700 से ज्यादा मामले, उच्च न्यायालयों में 63.3 लाख से ज्यादा मामले और जिला व अधीनस्थ न्यायालयों में 4.6 करोड़ मामले लंबित हैं। कुल मिलाकर, भारत में लंबित मामलों की कुल संख्या 5 करोड़ से ज्यादा है।

हाल ही में केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने राज्यसभा को बताया था कि भारत भर की विभिन्न निचली अदालतों में 4.6 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। यह बेहद शर्मनाक स्थिति है जबकि मौजूदा सरकार ने देश भर में समयबद्ध न्याय देने का वादा किया था लेकिन स्थिति में कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है वरन लंबित मामलों की तादाद जस की तस बनी है। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम सांसद कनिमोझी एनवीएन सोमू द्वारा उठाए गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में मंत्री ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय में 86, 723 मामले लंबित हैं, जबकि भारत भर के विभिन्न उच्च न्यायालयों में 63, 29, 222 मामले लंबित हैं। ''उच्च न्यायालयों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 30 जून 2025 तक 21 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 865 फास्ट ट्रैक कोर्ट कार्यरत हैं।''फास्ट ट्रैक कोर्ट ने अब तक 76, 57, 175 मामलों का निपटारा किया है, जबकि 14, 38, 198 मामले अभी भी उनके पास लंबित हैं। ग्राम न्यायालय (जीएन) पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2020 से जून 2025 तक की अवधि में ग्राम न्यायालयों में 5, 39, 200 मामले दर्ज किए गए। इसी अवधि में ग्राम न्यायालयों ने 4, 11, 071 मामलों का निपटारा किया। 30 जून 2025 तक, ग्राम न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या 1, 28, 129 है। "

मोटे तौर पर भारत की अदालतों में 6000 से अधिक जजों की कमी है जिनमें से 5000 जजों की कमी निचली अदालतों में है। 'डिपार्टमेंट आफ जस्टिस' की 1 जुलाई की रिपोर्ट के अनुसार देश के हाईकोर्टों में जजों की स्वीकृत संख्या 1122 के मुकाबले में वहां 751 पदों पर ही नियुक्तियां हुई हैं तथा 371 जजों के पद खाली हैं। देश की जनसंख्या 1.4 अरब है और जजों की कुल संख्या सिर्फ 21, 285 है। देश की अदालतों में इस समय 4 करोड़ 66 लाख 24 हजार केस लम्बित हैं। इनमें से 3 करोड़ 55 लाख 67 हजार क्रिमिनल तथा 1 करोड़ 10 लाख 57 हजार सिविल केस हैं।

2025 की 'इंडिया जस्टिस रिपोर्ट' के अनुसार भारत में प्रति 10 लाख लोगों पर सिर्फ 15 जज हैं जबकि 1987 की 'कानून आयोग' की सिफारिश के अनुसार कम से कम 50 जज होने चाहिए। इसी कारण अदालतों में कार्यरत जजों पर मुकदमों का भारी बोझ पड़ा हुआ है।

इसी रिपोर्ट में यह रहस्योद्घाटन भी किया गया है कि देश की जिला अदालतों में एक जज के पास औसतन 2, 200 मुकदमे हैं, वहीं इलाहाबाद और मध्य प्रदेश के हाईकोर्टों में प्रत्येक जज के पास 15, 000 तक केस हैं। विधि और संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 24 जुलाई को राज्यसभा में बताया कि हाईकोर्टों में खाली पड़ी 371 रिक्तियों में से 178 पदों के लिए नियुक्ति प्रश्ताव सरकार और हाईकोर्ट की कोलेजियम के बीच विभिन्न चरणों पर विचाराधीन हैं तथा 193 पदों के लिए अभी तक संबंधित हाईकोर्टों की कोलेजियम से सिफारिशें प्राप्त नहीं हुई हैं।

ऊपर से लेकर नीचे तक देश की अदालतों में जजों की कमी का अदालतों में चल रहे मुकदमों पर पड़ रहे दुष्प्रभाव का अनुमान पिछले 4 महीनों के उदाहरणों से बखूबी लगाया जा सकता है। 20 मार्च, 2025 को राजस्थान में लगभग 40 वर्ष पूर्व हुए एक नाबालिग लड़की के साथ रेप के मामले में सुप्रीमकोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा दोषी को बरी करने के फैसले को पलटते हुए उसे निचली अदालत द्वारा दी गई 7 वर्ष कैद की सजा को बहाल करने के साथ ही 4 सप्ताह में सरेंडर करने का आदेश दिया। जजों ने कहा कि बच्ची की चुप्पी का मतलब यह नहीं लगाया जा सकता कि उसके साथ अपराध हुआ ही नहीं।

यह बहुत दुख की बात है कि इस नाबालिग लड़की और उसके परिवार को अपने जीवन के इस भयानक अध्याय को बंद करने के इंतजार में लगभग 40 वर्ष बिताने पड़े। * 30 जून, 2025 को रांची (झारखंड) में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार सिंह की अदालत ने वर्ष 2005 में 2750 रुपए रिश्वत लेने के 20 वर्ष पुराने मामले में दोषी 'जयराम चौधरी' को 5 वर्ष कैद और 6000 रुपए जुर्माने की सजा सुनाई। जुर्माना अदा न करने पर उसे 2 महीनों की और सजा काटनी होगी* 21 जुलाई, 2025 को बॉम्बे हाईकोर्ट ने 19 वर्ष पुराने वर्ष 2006 के मुम्बई रेल बम धमाकों के सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया। इन धमाकों में 187 लोग मारे गए तथा 800 से अधिक लोग घायल हुए थे। इस फैसले पर 24 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। 21 जुलाई, 2025 को ही हरदोई (उत्तर प्रदेश) में 16 दिसम्बर, 2014 को हुए हत्याकांड के 11 वर्ष पुराने मामले में 2 भाइयों को दोषी करार देते हुए जिला एवं सत्र न्यायालय ने दोनों को उम्र कैद की सजा सुनाने के अलावा 20-20 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया। जिला न्यायालयों में दीवानी मामलों में सबसे अधिक देरी होती है, जिससे मुकदमों के भार और क्षमता के बीच भारी अंतर उजागर होता है।

इन हालातों में जरूरी है कि अदालतों में लटकती आ रही जजों की कमी जल्द से जल्द पूरा किया जाए ताकि पीड़ितों को समय रहते न्याय मिल सके और वे न्याय के इंतजार में ही इस संसार से ही न चले जाएं। ऐसे हालात में आम आदमी में कानून और अदालत के प्रति विश्वास कम हो रहा है।

अमीरी में अभिवृद्धि विद्रोह एवं संकट का बड़ा कारण

ललित गर्ग

विश्व अर्थव्यवस्था पर किए गए हालिया अध्ययन विशेषकर जी-20 पैनल की रिपोर्ट ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि धन और संपत्ति के वितरण में असमानता अब चरम पर पहुंच चुकी है।

रिपोर्ट के अनुसार आज दुनिया की नई बनी संपत्तियों का लगभग तिरेसठ प्रतिशत हिस्सा मात्र एक प्रतिशत अमीर लोगों के पास है जबकि निचले पचास प्रतिशत गरीब लोगों के हिस्से में केवल एक प्रतिशत संपत्ति आई है। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं बल्कि नैतिक, सामाजिक और मानवीय संकट का भी संकेत है। यह स्थिति एक आदर्श विश्व संरचना के लिये भी बड़ी बाधा है।

यह ऐसी त्रासद, विद्रोहपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण स्थिति है जिसमें एक तरफ लोग मूलभूत सुविधाओं के अभाव में सड़कों पर उतर रहे हैं तो दूसरी ओर अमीर से और अमीर होते लोगों की विलासिता के किस्से तमाम हैं। उदारीकरण व वैश्वीकरण के दौर के बाद पूरी दुनिया में आर्थिक असमानता रूकने का नाम नहीं ले रही है, इससे एक बड़ी आबादी में विद्रोह एवं क्रांति के स्वर उभर रहे हैं।

सन् 2000 से 2024 के बीच विश्व अर्थव्यवस्था में अभूतपूर्व वृद्धि हुई, तकनीकी विकास हुआ, उत्पादन बढ़ा और वैश्वीकरण के नाम पर बाजारों का विश्तार हुआ, लेकिन इस विकास का लाभ समान रूप से नहीं बंटा। अमीर और अमीर होते गए, गरीब और गरीब।

सन 2000 में जहां विश्व की कुल संपत्ति का पैंतालीस प्रतिशत हिस्सा शीर्ष एक प्रतिशत लोगों के पास था, वहीं 2024 तक यह बढ़कर तिरेसठ प्रतिशत से भी ऊपर पहुंच गया। इसी अवधि में आधी से अधिक आबादी के हिस्से की संपत्ति घटकर केवल एक प्रतिशत रह गई। यह आंकड़े केवल संख्या नहीं, मानवता की दिशा के संकेत हैं कि हम प्रगति के नाम पर असंतुलन का साम्राज्य खड़ा कर रहे हैं। जो विद्रोह का कारण बन रहा है, हिंसा एवं अलगाव का भी कारण बन रहा है।

जी-20 पैनल के अध्ययन के अनुसार, वर्तमान में वैश्विक श्तर पर असमानता भयावह श्तर तक जा पहुंची है। निस्संदेह, भारत भी इस स्थिति में अपवाद नहीं है। देश के सबसे अमीर एक फीसदी लोगों ने केवल दो दशक में अपनी संपत्ति में 62 फीसदी की वृद्धि की है। दुनिया की इस चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में अमीर लगातार अमीर होते जा रहे हैं।

वहीं दूसरी ओर गरीब अभाव, तंगी एवं जहालत के दलदल से बाहर आने के लिए छटपटा रहे हैं। इस आर्थिक असमानता का ही नतीजा है कि अमीर व गरीब के बीच संसाधनों का असमान वितरण और बदतर स्थिति में पहुंच गया है।

ऑक्सफैम इंडिया की रिपोर्ट बताती है कि देश के शीर्ष दस प्रतिशत लोगों के पास कुल संपत्ति का लगभग सतहत्तर प्रतिशत हिस्सा है जबकि निचले साठ प्रतिशत लोगों के हिस्से में मात्र 4.7 प्रतिशत संपत्ति आती है। बीते दशक में अरबपतियों की संख्या दोगुनी हो गई लेकिन मजदूर, किसान और मध्यम वर्ग की आमदनी स्थिर रही या घटी। एक ओर महानगरों में गगनचुंबी इमारतें, विलासिता और अति उपभोग की चकाचौंध है, तो दूसरी ओर गाँवों और झुग्गियों में रोटी और दवा के लिए संघर्षरत लोग हैं। यही विरोधाभास हमारी विकास यात्रा का सबसे बड़ा प्रश्न बन गया है।

निस्संदेह, पैनल की हालिया रिपोर्ट नीति-निर्माताओं को असमानता के इस बढ़ते अंतर को पाटने के तरीके तलाशने और नये साधन खोजने के लिये प्रेरित करेगी। पिछले ही हफ्ते, केरल सरकार ने दावा किया था कि राज्य ने अत्यधिक गरीब तबके की गरीबी का उन्मूलन कर दिया है।

हालांकि, कुछ विशेषज्ञों ने इन दावों को लेकर संदेह जताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गरीबी मुक्त भारत के निर्माण का संकल्प भी आश्चर्यकारी सफलता के साथ आगे बढ़ रहा है। करीब 25 करोड़ लोगों को गरीब से बाहर लाया गया है। इस साल की शुरुआत में, विश्व बैंक ने भी बताया था कि भारत 2011-12 और 2022-23 के बीच 17 करोड़ लोगों को गरीबी

की दलदल से बाहर निकालने में सफल रहा है। मोदी सरकार के जन-केंद्रित विकास और सामुदायिक भागीदारी के लाभों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। निस्संदेह, इस पहल ने करोडों अत्यंत गरीब परिवारों को भोजन, स्वास्थ्य सेवा और आजीविका के बेहतर साधनों तक पहुंचने में मदद की है।

फिर भी देश में धन-संपत्ति की असमानता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि असंतोष और हिंसा की जड़ है। जब परिश्रमी व्यक्ति को उसका उचित मूल्य नहीं मिलता, जब समाज में अवसर और सम्मान का समान वितरण नहीं होता, तब भीतर आक्रोश और विद्रोह जन्म लेता है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी ने कहा है कि जब पूंजी की आय दर आर्थिक वृद्धि दर से अधिक हो जाती है, तब समाज में असमानता बढ़ती है और लोकतंत्र की जड़ें हिल जाती हैं। आज यही हो रहा है। आर्थिक असंतुलन से सामाजिक असंतुलन उपज रहा है, अविश्वास और द्वेष का वातावरण बन रहा है।

कोरोना महामारी ने इस असमानता को और गहरा किया। जब करोड़ों लोग बेरोजगार और निर्धन हो गए, तब कुछ गिने-चुने उद्योगपतियों और कंपनियों की संपत्ति कई गुना बढ़ गई। इसका अर्थ यह है कि संकट भी अब वर्ग विशेष के लिए अवसर बन गया है।

युद्धों, ऊर्जा संकट और बढ़ती महंगाई ने गरीब देशों की स्थिति को और भी कठिन बना दिया। अमीर देशों की बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने इन संकटों से भी मुनाफा कमाया जबकि विकासशील देशों में भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य की उपलब्धता घटती गई। विकास का अर्थ हमने केवल सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि तक सीमित कर दिया है।

समाज में नैतिकता, समानता, सहानुभूति और पर्यावरणीय न्याय जैसे तत्व विकास की परिभाषा से गायब हो गए हैं। अमीर देशों की कंपनियां गरीब देशों के संसाधनों का दोहन करती हैं, और गरीब देशों के श्रमिक उनके उत्पादन का आधार बन जाते हैं। यह एक नया आर्थिक उपनिवेशवाद है, जहां अब सत्ता नहीं, पूंजी शासन करती है।

गरीबी उन्मूलन की तस्वीर को केवल संख्याएं ही पूरी तरह नहीं उकेर सकती हैं। गरीबी कम करने के प्रयासों के दावों के मुताबिक जमीनी श्तर पर गुणात्मक बदलाव भी नजर आना चाहिए, आम जीवनश्तर उन्नत होता हुआ भी दिखना चाहिए।

हालांकि, अर्थशास्त्री आमतौर पर संपत्ति कर लगाने के पक्षधर नहीं होते हैं, लेकिन सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अति-धनी लोग सरकारी खजाने में अपना उचित योगदान दें। अब चाहे कोई अमीर हो या गरीब, सबका ध्यान विकास पर केंद्रित किया जाना चाहिए। तभी देश उत्पादकता के क्षेत्र में आगे बढ़कर गरीबी उन्मूलन की दिशा में सार्थक प्रगति कर सकता है। यह पहल ही नये भारत, विकसित भारत के सपने को साकार करने में मददगार साबित हो सकती है।

गरीबी-अमीरी के असंतुलन की स्थिति से निकलने का एक ही मार्ग है-धन का न्यायपूर्ण पुनर्वितरण, समान अवसर और समाजोपयोगी नीति। कर व्यवस्था ऐसी हो जो अमीरों से अधिक कर लेकर गरीबों की शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन श्तर को सुदृढ़ करे।

अवसरों की समानता तभी संभव है जब शिक्षा और स्वास्थ्य सभी के लिए समान रूप से सुलभ हों। लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही आवश्यक है ताकि नीति पूंजी के लिए नहीं, नागरिक के लिए बने। परंतु केवल नीतियों से नहीं, दृष्टि से परिवर्तन आएगा। स्वामी विवेकानंद ने कहा था-"गरीब पापी नहीं, जीवित देवता हैं।

उनकी सेवा ही ईश्वर की सेवा है। " दूसरी बड़ी बात है कि जब कुछ लोग सब कुछ पा लेते हैं, तो बाकी सब कुछ खो देते हैं। इसलिये सरकारें वोट बैंक की राजनीति से इतर ईमानदारी से पहल करें तो गरीबी उन्मूलन की दिशा में सार्थक, समता एवं सतुलन के दृश्य स्थापित किये जा सकते हैं।

चुनाव से पहले मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की तेजी से बढ़ती प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जाना चाहिए। यह एक हकीकत है कि कोई भी सुविधा मुफ्त नहीं हो सकती। इस तरह की लोकलुभावनी कोशिशों से राज्यों का वित्तीय घाटा ही प्रभावित होता है। जिसकी कीमत लोगों को विकास योजनाओं से दूर रहकर ही चुकानी पड़ती है।

सर्वोच्च न्यायालय में फिर से मंडरा रहा है बेंच हंटिंग का डर

के रवींद्रन

मुख्य न्यायाधीश का आक्रोश एक आंतरिक दुविधा को भी दर्शाता है। वह है राजनीतिक टकराव की स्थिति में आए बिना संस्था को सूक्ष्म घुसपैठ से कैसे बचाया जाए। न्यायपालिका को सरकार के साथ खुले टकराव में उतरे बिना अपनी स्वतंत्रता की रक्षा के लिए सावधानी से कदम उठाने चाहिए। लेकिन चुप्पी की भी कीमत चुकानी पड़ती है। जब पीठों को स्थानांतरित करने या उनका विश्तार करने के प्रयासों को चुनौती नहीं दी जाती।

मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई द्वारा केंद्र सरकार को 'बेंच हंटिंग' के प्रयास के लिए कड़ी फटकार लगाने से न्यायिक स्वतंत्रता और भारत के शीर्ष न्यायालय पर कार्यपालिका के प्रभाव को लेकर एक पुरानी और असहज बहस फिर से शुरू हो गई है। इसकी तात्कालिक वजह सरकार की वह मांग थी जिसमें उसने मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष सुनवाई के अंतिम चरण में पहुंच चुके एक मामले को पांच न्यायाधीशों वाली संविधान पीठ को स्थानांतरित करने की मांग की थी।

समय और योजना के मद्देनजर यह कदम मुख्य न्यायाधीश को अपनी पीठ के फैसले से बचने की कोशिश के रूप में प्रतीत हुआ, जिसने उस प्रवृत्ति को और पुष्ट किया जो वर्षों से न्यायालय को परेशान करती रही है। वह है शक्तिशाली वादियों द्वारा न्यायपालिका को प्रभावित करने का प्रयास कि कौन से न्यायाधीश किस मामले की सुनवाई करेंगे।

बेंच हंटिंग, एक ऐसी प्रथा रही है जो जितनी सूक्ष्म है उतनी ही विनाशकारी भी। यह न्याय के इस मूल सिद्धांत को कमजोर करती है कि कानून को सत्ता के प्रति 'अंधा' होना चाहिए। अपने सबसे निंदनीय रूप में, यह असुविधाजनक या स्वतंत्र विचारों वाली समझी जाने वाली बेंचों को दरकिनार करने और कार्रवाई को उन बेंचों की ओर मोड़ने का प्रयास करती है जो अधिक अनुकूल समझी जाती हैं। हालांकि अदालत के गलियारों में इस बारे में लंबे समय से चर्चा होती रही है, न्यायमूर्ति गवई की टिप्पणी ने इस मामले को फिर से खुलकर सामने ला दिया है। इस बार इसके पीछे मुख्य न्यायाधीश के कार्यालय का ज़ोर है। उनके शब्द न केवल प्रक्रियात्मक पैंतरेबाज़ी से बल्कि एक बार-बार होने वाले पैटर्न से भी निराशा दर्शाते हैं जो न्यायपालिका की संस्थागत विश्वसनीयता पर संदेह पैदा करता है।

इस आदान-प्रदान का संदर्भ महत्वपूर्ण है। विचाराधीन मामला न्यायाधिकरण सुधार अधिनियम की संवैधानिक वैधता से संबंधित है, एक ऐसा कानून जिसकी अर्ध-न्यायिक निकायों में नियुक्तियों और सेवा शर्तों पर कार्यपालिका को व्यापक अधिकार देने के लिए आलोचना की जाती है।

पीठ इस मामले की गहन जांच कर रही है, और याचिकाकर्ताओं द्वारा अपनी दलीलें पूरी करने के बाद सरकार के अनुरोध के समय ने लोगों को चौंका दिया। मुख्य न्यायाधीश को यह एक ऐसे नतीजे को पटरी से उतारने या विलंबित करने का प्रयास लगा जो शायद सरकार को पसंद न हो। इसलिए, उनकी प्रतिक्रिया न केवल न्यायिक स्वायत्तता का बचाव थी, बल्कि उन सीमाओं की भी याद दिलाती थी जो कार्यपालिका और न्यायपालिका को अलग करती हैं।

यह पहली बार नहीं है जब इस तरह की चिंताएं सार्वजनिक हुई हैं। इस मुद्दे ने पहली बार जनवरी 2018 में राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया था जब सर्वोच्च न्यायालय के चार वरिष्ठ न्यायाधीशों- न्यायमूर्ति जे. चेलमेश्वर, न्यायमूर्ति रंजन गोगोई, न्यायमूर्ति मदन बी. लोकुर और न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ - ने तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा द्वारा मामलों के मनमाने आवंटन का विरोध करने के लिए एक असाधारण प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उनकी शिकायत थी कि सरकार से जुड़े मामलों को चुनिंदा रूप से 'पसंदीदा पीठों' को सौंपा जा रहा है। वह क्षण अभूतपूर्व था।

इससे पहले कभी भी कार्यरत न्यायाधीशों ने सार्वजनिक रूप से अपनी ही संस्था के आंतरिक कामकाज की ईमानदारी पर सवाल नहीं उठाया था। इसने न्यायालय के भीतर गहरी दरारों को उजागर किया। उन्होंने एक संरचनात्मक समस्या को उजागर किया जो तब से चली आ रही है- वह अस्पष्ट तरीका जिससे मुख्य न्यायाधीश, 'रोस्टर के मास्टर' के रूप में, पीठों को मामले सौंपते हैं।

चेलमेश्वर प्रकरण से संरचनात्मक सुधार तो नहीं हुआ, लेकिन इसने एक स्थायी चेतावनी का निशान ज़रूर छोड़ा। उस समय व्यक्त की गई चिंताएं आज के माहौल में भी गूंजती हैं, बस फर्क इतना है कि अब आरोप बाहरी तौर पर, सरकार पर ही, प्रक्रियागत मांगों के •रिए न्यायिक प्रक्रिया में हेरफेर करने की कोशिश करने के लिए निर्देशित हैं। मुख्य न्यायाधीश गवई की हताशा इस बढ़ती धारणा को दर्शाती है कि कार्यपालिका का हश्तक्षेप अधिक परिष्कृत हो गया है, जो प्रत्यक्ष दबाव पर कम और समय खरीदने, पीठों को बदलने, या न्यायिक परिदृश्य को बीच में ही बदलने के लिए डिज़ाइन की गई प्रक्रियात्मक युक्तियों पर अधिक निर्भर करता है।

जब कार्यपालिका द्वारा बेंच हंटिंग की जाती है, तो यह न केवल एक नैतिक चूक है, बल्कि एक संवैधानिक अपमान भी है। भारत के संस्थापक चार्टर में निहित शक्तियों का पृथक्करण, सरकार की प्रत्येक शाखा द्वारा दूसरे की अधिकार-सीमाओं का सम्मान करने पर निर्भर करता है। कार्यपालिका द्वारा किसी पीठ की संरचना को प्रभावित करने का प्रयास न्यायपालिका की स्वतंत्रता को भीतर से ही नष्ट करना है। ऐसा हर कदम सार्वजनिक जीवन में न्यायालय के अधिकार को बनाए रखने वाली तटस्थता की धारणा को कमज़ोर करता है। भले ही कोई औपचारिक कदाचार सिद्ध न हो, लेकिन हेरफेर का आभास मात्र न्याय प्रणाली में विश्वास को नुकसान पहुंचा सकता है।

न्यायाधीशों को राजनीतिक या संस्थागत प्रभाव से मुक्त रखने का सिद्धांत लोकतांत्रिक वैधता के मूल में है। जब वादी, विशेष रूप से राज्य की शक्ति का प्रयोग करने वाले, अपने पसंदीदा परिणामों के अनुरूप प्रक्रियात्मक कदम उठाते देखे जाते हैं, तो यह इस बारे में संदेह पैदा करता है कि क्या न्यायालय वाश्तव में कार्यपालिका की अतिरेक पर अंकुश लगाते हैं।

इसलिए न्यायमूर्ति गवई की यह स्पष्ट टिप्पणी कि सरकार 'उनकी पीठ से बचने के लिए उत्सुक' प्रतीत होती है, कोई आकस्मिक टिप्पणी नहीं थी, बल्कि एक सार्वजनिक संकेत था कि इस तरह के आचरण को अनदेखा नहीं किया जाएगा। इससे यह संकेत मिलता है कि न्यायालय के भीतर भी, इस बात की जागरूकता है कि राज्य द्वारा किए जाने वाले व्यवहार के पैटर्न न्यायिक स्थान पर चुपचाप अतिक्रमण कैसे कर सकते हैं।

इस क्षण को विशेष रूप से संवेदनशील बनाने वाली बात यह है कि यह समकालीन भारत में न्यायपालिका और सरकार के बीच संतुलन को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आया है।

पिछले एक दशक में, कई उच्च-दांव वाले संवैधानिक मामलों- चुनावी बॉन्ड योजना को चुनौती देने से लेकर संघीय नियुक्तियों से जुड़े मामलों तक- में देरी, स्थगन या अंतिम समय में प्रक्रियात्मक विचलन देखा गया है। इनमें से कई मामलों में, आलोचकों ने सरकार पर रणनीतिक बाधा डालने का आरोप लगाया है। यह धारणा कि कार्यपालिका गुण-दोष पर बहस करने के बजाय, प्रक्रियात्मक साधनों के माध्यम से जवाबदेही को प्रबंधित या विलंबित करने का प्रयास कर रही है, संस्थागत बेचैनी की कहानी को और बल देती है।

यहां दांव पर केवल एक मामले के परिणाम से कहीं अधिक है। सर्वोच्च न्यायालय की विश्वसनीयता न केवल उसके निर्णयों पर, बल्कि उसकी प्रक्रियाओं की अखंडता पर भी निर्भर करती है। न्यायालय संवैधानिक सीमाओं का अंतिम निर्णायक है, और इसकी ताकत जनता के इस विश्वास में निहित है कि वह उन लोगों से स्वतंत्र रूप से कार्य करता है जिनका न्याय करने के लिए उसे बुलाया जाता है।

प्रत्येक प्रकरण जो इसके विपरीत संकेत देता है- चाहे वह 2018 में मुख्य न्यायाधीश द्वारा कथित पीठ हेरफेर के माध्यम से हो या अब कार्यपालिका पीठ शिकार के आरोपों के माध्यम से- उस विश्वास को उत्तरोत्तर कमजोर करता है। मुख्य न्यायाधीश का आक्रोश एक आंतरिक दुविधा को भी दर्शाता है।

वह है राजनीतिक टकराव की स्थिति में आए बिना संस्था को सूक्ष्म घुसपैठ से कैसे बचाया जाए। न्यायपालिका को सरकार के साथ खुले टकराव में उतरे बिना अपनी स्वतंत्रता की रक्षा के लिए सावधानी से कदम उठाने चाहिए। लेकिन चुप्पी की भी कीमत चुकानी पड़ती है।

जब पीठों को स्थानांतरित करने या उनका विश्तार करने के प्रयासों को चुनौती नहीं दी जाती, तो वे एक ऐसी संस्कृति को सामान्य बना सकते हैं जहां शक्तिशाली वादी यह मान लेते हैं कि वे न्यायिक प्रक्रिया को अपने फायदे के लिए ढाल सकते हैं। इस प्रथा का सार्वजनिक रूप से विरोध करके, न्यायमूर्ति गवई ने इस सामान्यीकरण को बर्दाश्त करने से इनकार करने का संकेत दिया है।

सुरक्षा को देश के अंदर से भी बड़ा खतरा

मधुरेंद्र सिन्हा

इस जीवंत गांव कार्यक्रम का केन्द्र सरकार ने पूरी तरह से वित्त पोषण किया है, जिसके जरिये विकसित भारत 2047 विजन को साकार किया जा सके और हमारे सीमावर्ती क्षेत्र सुरक्षित और जीवंत रहें। सरकार ने इस कार्यक्रम के तहत इन इलाकों के लिए धन का बड़े पैमाने पर आवंटन भी किया है। इन पर कुल 6839 करोड़ रुपए का खर्च करने की योजना बनाई गई है।

यह धन अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के उन गांवों पर 2028-29 तक खर्च किया जाएगा जिनकी रणनीतिक भूमिका है।

केन्द्र सरकार सुधार, निष्पादन और परिवर्तन के मंत्र को लेकर चल रही है ताकि देश के सुरक्षातंत्र को मजबूत किया जा सके। सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सीमावर्ती क्षेत्रों को अतिक्रमण तथा अवैध निर्माण से बचाने का काम सतत चलता रहेगा क्योंकि यह उसकी संपूर्ण सुरक्षा रणनीति का मुख्य तत्व है...

देश की हजारों किलोमीटर की सीमा कई देशों से लगती है जिनमें चीन, म्यांमार, पाकिश्तान और बांग्लादेश ऐसे हैं जहां से हमारे लिए खतरा है। इन सीमाओं की रक्षा के लिए कहीं तो भारतीय सेना है और कहीं सीमा सुरक्षा बल मजबूती से तैनात है।

लेकिन एक नई समस्या सिर उठा रही है और वह है आंतरिक। यानी दुश्मन हमें भीतर से कमजोर करना चाहता है। इसके तहत सीमावर्ती इलाकों में वह अपने लोग तो बसा ही रहा है, हमारे इलाकों में कई तरह के ढांचे तैयार करवाने की कोशिश कर रहा है।

भारत के सामने समस्या यह है कि उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में कठिन जीवन होने के कारण वहां से बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा है और कई महत्वपूर्ण जगहों पर तो स्थानीय निवासी हैं ही नहीं।

उत्तराखंड में तो यह बहुत बड़ा सिरदर्द है जहां 275 किलोमीटर की सीमा चीन से लगती है। वहां के गांवों में बड़े श्तर पर पलायन के कारण वहां सन्नाटा है और दुश्मन के लिए मौका है। इसी तरह का खतरा पंजाब और बंगाल में है जहां दुश्मन बहुत सक्रिय है। बांग्लादेश से लगती बंगाल, त्रिपुरा और असम के सीमावर्ती इलाकों में तो डेमोग्राफिक बदलाव देखे जा रहे हैं। वहां सीमा पर धार्मिक ढांचे भी बनाए जा रहे हैं जिससे सीमा की सुरक्षा को खतरा है। इन राज्यों में बड़े पैमाने पर बांग्लादेशियों और यहां तक कि रोहिंग्याओं की घुसपैठ होती रही है और इन्हें इन धार्मिक स्थानों में शरण तक मिल जाती है। यह खतरे की घंटी है क्योंकि इससे हमारी सीमाएं असुरक्षित हो जाती हैं। इसे ध्यान में रखकर ही गृह मंत्रालय ने बंगाल सहित सत्रह राज्य सरकारों को पत्र लिखा है और उनसे फौरन कार्रवाई करने को कहा है।

इतना ही नहीं, गृह मंत्री अमित शाह ने बांग्लादेश, म्यांमार, नेपाल, पाकिश्तान वगैरह देशों से सटे राज्यों की सरकारों को कहा है कि वे सीमा के अंदर 30 किलोमीटर तक बने अवैध धार्मिक ढांचों को गिरा दें।

दरअसल आसन्न खतरे को देखते हुए भारत सरकार और गृह मंत्रालय ने अपनी नीति में अग्रसक्रिय यानी पहले ही सक्रिय हो जाने की नीति अपनाई है, ताकि किसी तरह की विपरीत समस्या से मुकाबला करने का अवसर न आए। डेमोग्राफिक चेंज यानी

जनसांख्यिकीय बदलाव देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बहुच बड़ा खतरा है।

ऐसा जानबूझकर किया जा रहा है और यह स्वाभाविक रूप से नहीं हुआ है। इससे दुश्मन को मदद मिल सकती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले के प्राचीर से देश को संबोधित करते हुए यह मुद्दा उठाया था और कहा था कि सीमावर्ती राज्यों में एक साजिश के तहत जनसांख्यिकीय बदलाव किया जा रहा है। यह देश की सुरक्षा को बड़ा खतरा है। इसका मुकाबला करने के लिए प्रधानमंत्री ने उच्च अधिकार वाले जनसांख्यिकी बदलाव मिशन तैयार करने की घोषणा भी की ताकि स्थानीय आबादी को बाहर वालों से बदलने की साजिश को रोका जा सके।

इस कार्य को करने के लिए दो दिनों का वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम वर्कशॉप किया गया। इसमें गृह मंत्री ने जिला कलेक्टरों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने जिलों में सीमा से 30 किलोमीटर तक के अवैध धार्मिक ढांचों को ढहा दें। ऐसा करना प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप होगा।

यह रणनीतिक कदम समस्या खड़ी होने से पहले ही उठा लिया जाए। जीवंत गांव कार्यक्रम यानी वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम तीन बिंदुओं पर आधारित है। पहला तो यह है कि सीमावर्ती राज्यों से स्थानीय पलायन रोका जाए। उत्तराखंड में यह स्थिति बहुत ज्यादा देखने में आ रही है। दूसरी बात यह है कि सीमावर्ती राज्यों के निवासियों को केन्द्र तथा राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों का शत-प्रतिशत लाभ मिले। तीसरा यह है कि इस प्रोग्राम के तहत सीमा और उसकी सुरक्षा को और मजबूत करने के उपाय किए जाएं। इस कार्यक्रम के तहत पहले से चिन्हित गांवों को जल्दी ही राष्ट्रीय और सीमा सुरक्षा के केन्द्र में लाया जाएगा।

सरकार वहां इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देगी। साथ ही वहां की संस्कृति को बनाए रखने में मदद करेगी। इन इलाकों में पर्यटन के जरिये रोजगार सृजित किए जाएंगे। अरुणाचल प्रदेश में तो इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन के बाद से कई सीमावर्ती गांवों में जनसंख्या में बढ़ोतरी भी हुई है।

इस जीवंत गांव कार्यक्रम का केन्द्र सरकार ने पूरी तरह से वित्त पोषण किया है, जिसके जरिये विकसित भारत 2047 विजन को साकार किया जा सके और हमारे सीमावर्ती क्षेत्र सुरक्षित और जीवंत रहें। सरकार ने इस कार्यक्रम के तहत इन इलाकों के लिए धन का बड़े पैमाने पर आवंटन भी किया है। इन पर कुल 6839 करोड़ रुपए का खर्च करने की योजना बनाई गई है।

यह धन अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के उन गांवों पर 2028-29 तक खर्च किया जाएगा जिनकी रणनीतिक भूमिका है। केन्द्र सरकार सुधार, निष्पादन और परिवर्तन के मंत्र को लेकर चल रही है ताकि देश के सुरक्षातंत्र को मजबूत किया जा सके।

सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सीमावर्ती क्षेत्रों को अतिक्रमण तथा अवैध निर्माण से बचाने का काम सतत चलता रहेगा क्योंकि यह उसकी संपूर्ण सुरक्षा रणनीति का मुख्य तत्व है। सरकार इस तथ्य को अच्छी तरह से समझ रही है कि देश की बाह्य सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा दोनों पर एक साथ जोर दिए बगैर बात नहीं बनेगी।

एक के बिना दूसरा अधूरा है। भारतीय सेना दुनिया की सबसे मजबूत सेनाओं में से है और उसे आमने-सामने की लड़ाई में हराना नामुमकिन है। इसलिए दुश्मन नए-नए तरीके अपनाता है और आंतरिक सुरक्षा पर चोट पहुंचाना उसका नया शस्त्र है।

यह धीमे-धीमे और स्थानीय लोगों की अनुपस्थिति में किया जा सकता है जैसा कुछ इलाकों में देखने में आया है जहां जनसांख्यिकी बदलाव हुए हैं। इस तरह के बदलावों के दूरगामी असर होते हैं। लेकिन भारत सरकार और गृह मंत्रालय चौकन्ना है और ऐसा नहीं होने देगा। उसने इस दिशा में ठोस कदम उठाना शुरू कर दिया है। इसका असर शीघ्र ही देखने में आएगा और किसी तरह के आसन्न खतरे का जोरदार मुकाबला करना आसान होगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

घर के बाहर खेल रहीं दो बहनों को ई-रिक्शा ने मारी टक्कर, एक की मौत, चालक भागा

अलीगढ़, एजेंसी। अलीगढ़ के थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के नगला आशिक अली भुजपुरा रोड पर 7 नवंबर को पास के घर के बाहर खेल रहीं दो बच्चियां ई- रिक्शा की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गईं। इनमें एक बच्ची की मृत्यु हो गई। हादसे के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। इस बीच मौका देखकर ई-रिक्शा चालक भाग गया। कोतवाली नगर क्षेत्र के भुजपुरा पुलिस चौकी के क्षेत्र नगला आशिक रोड निवासी सादाब की दो पुत्रियां 7 नवंबर शाम सारा खान व मुबाइस्लान घर के बाहर खेल रहीं थी। तभी तेज गति से आ रहे ई-रिक्शा ने दोनों बहनों को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों बच्चियां घायल गईं। इनमें गंभीर रूप से घायल छह वर्षीय बड़ी पुत्री सारा खान को परिजन निजी अस्पताल में ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद परिजनों का रो- रोकर बुरा हाल है। इस संबंध में स्थानीय लोगों का आरोप है कि इलाके में ई रिक्शों की भरमार है। नाबालिग चालक इन्हें लेकर दौड़ते रहते हैं। जिससे आए दिन हादसे होते रहते हैं। सीओ प्रथम मयंक पाठक ने बताया कि मामले में परिजनों की ओर से देर रात तक कोई तहरीर नहीं मिली है।

अटाला में अधेड़ चालक की चाकू मारकर हत्या, आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

प्रयागराज, एजेंसी। खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के अटाला चौकी अंतर्गत इमली तला के पास शनिवार सुबह करीब 6 :30 बजे सेराज उर्फ मोछा (40) की उसके दोस्त अयाज ने चाकू से हमला कर हत्या कर दी। सेराज अपनी गली से बाहर निकल रहा था, तभी आरोपी अयाज पीछे से आया और अचानक उसकी गर्दन के पिछले हिस्से पर चाकू से वार कर दिया। गर्दन पर कई बार वार करने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। जब तक लोग कुछ समझ पाते उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया। सेराज मूल रूप से फतेहपुर जिले का रहने वाला था। वह कई वर्षों से अटाला में अपनी पत्नी और बेटे के साथ किराए के मकान में रहकर गाड़ी चलाने का काम करता था। सेराज की पत्नी का कहना है कि आरोपी अयाज आए दिन उसके पति से झगड़ा करता था और कई बार जान से मारने की धमकी भी दे चुका था। इस संबंध में उन्होंने थाने में शिकायत भी की थी, लेकिन उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया गया। पत्नी ने कहा कि अगर पुलिस समय रहते कार्रवाई करती, तो आज उसका पति जिंदा होता।उधर, घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी घर में ताला लगाकर पत्नी के साथ फरार हो गया है। पुलिस उनकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। घटना की सूचना मिलते ही खुल्दाबाद पुलिस, एसीपी कोतवाली रवि गुप्ता, डॉग स्क्वॉड और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है।

लाखों रुपये के अमेरिकन गांजा के साथ दो युवक गिरफ्तार, लखनऊ पुलिस ने पकड़ा

प्रतापगढ़, एजेंसी। लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस ने कधंई थाना क्षेत्र के करमाही गांव के दो युवकों को लाखों रुपये के आर्गेनिक अमेरिकन गांजा के साथ गिरफ्तार कर लिया है। के बाद जेल भेज दिया गया। लखनऊ के मड़ियांव थाना पुलिस को मुखबिर की सूचना पर पुलिस को जानकारी दी गई कि प्रतापगढ़ जनपद के चिलबिला से दो युवक गुजरात के सूरत शहर के एक कार में सवार दो युवक आर्गेनिक अमेरिकन गांजा बेचने लखनऊ आ रहे हैं। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बताए गए स्थान पर पहुंची, लेकिन कोई कामयाबी नहीं मिली। बृहस्पतिवार की रात नौ बजे लखनऊ पुलिस को दोबारा मुखबिर ने बताया कि गोरखपुर जिले के एक गाजा तस्कर जिसका नाम प्रनीत तिवारी उर्फ प्रसन्न व अभिषेक यादव को बेचने वाले हैं। बाराबंकी पुलिस व लखनऊ पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दोनों गांजा तस्कर दबोच लिए गए। पूछताछ में दोनों ने बताया कि गोरखपुर जिले का प्रनीत उर्फ प्रवीण तिवारी उर्फ प्रसन्न अपनी चार पहिया वाहन पर दरोगा की कैप आगे रखकर फर्जी पुलिस बनकर अवैध तरीके से विदेशी गांजा के साथ अन्य मादक पदार्थों की तस्करी करता है। उसी के कहने पर गुजरात के सूरत शहर से गांजा लाकर बेचते हैं। लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस ने पकड़े गए दोनों युवक के पास से चार महंगे मोबाइल व गुजरात राज्य की एक कार को बरामद कर पूछताछ के बाद न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। पकड़े गए दोनों युवक कधंई थाना क्षेत्र के करमाही गांव के सूरज सिंह, सत्यम सिंह है। इस घटना के बाद कधंई पुलिस भी आसपास के अवैध गांजा बेचने वालों की तालाश शुरू कर दी है। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी पट्टी मनोज रघुवंशी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि लखनऊ पुलिस ने फोन से पकड़े गए दोनों आरोपी की जानकारी मांगी गई है।

नवंबर में दिसंबर जैसी सर्दी का अहसास, कानपुर में नौ डिग्री पहुंचा पारा

लखनऊ , एजेंसी। नवंबर के पहले सप्ताह में ही ठंड अपना रंग दिखाने लगी है। प्रदेश में अब दिन की धूप भले ही गर्माहट दे रही हो, लेकिन रातें तेजी से सिहरन भरी होती जा रही हैं। प्रदेश के अधिकांश जिलों में तड़के कोहरे की चादर दिखने लगी है। कानपुर शहर 9.2 डिग्री तापमान के साथ प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। वहीं इटावा में 9.6 और बुलंदशहर में 11 डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

पछुआ हवाओं ने मौसम में ठंडक घोल दी है। रात के पारे में अच्छी खासी गिरावट देखने को मिली है। शुक्रवार को पूरब से पश्चिम तक मेरठ, मुजफ्फरनगर, बरेली, लखनऊ, कानपुर, हरदोई, वाराणसी और बाराबंकी सहित प्रदेश के 10 से ज्यादा जिलों में रात का तापमान 15 डिग्री या इसके आसपास दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि आने वाले दो दिनों में दिन के अधिकतम तापमान में दो डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज हो सकती है। साथ ही तराई और पूर्वांचल क्षेत्रों में अगले कुछ दिनों तक सुबह कोहरा देखने को मिलेगा।

पछुआ के जोर से एक दिन में 5.3 डिग्री लुढ़का पारा : राजधानी में शुक्रवार को मौसम ने एकदम से करवट ली। बृहस्पतिवार और शुक्रवार के बीच की रात ठंडी पछुआ हवा चली और पारे में 5.3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट से अचानक सिहरन भरी ठंड शुरू हो गई।

शाम में लोगों को गर्म कपड़ों और शॉल आदि की जरूरत महसूस हुई। शुक्रवार को तड़के सुबह शहर के बाहरी इलाकों में कोहरे का असर रहा। दिन में गुनगुनी धूप खिली और दिन के तापमान में 0.7 डिग्री की गिरावट आई।आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि उत्तरी पछुआ हवाओं के जोर से शुक्रवार को न्यूनतम तापमान में पांच डिग्री से ज्यादा की गिरावट से एकदम से ठंड बढ़ी है। आगे अब रात का पारा लगभग स्थिर रहेगा और दिन के पारे में अगले दो दिनों में लगभग दो डिग्री की गिरावट दर्ज की जाएगी।

शुक्रवार को दिन का तापमान 0.7 डिग्री की गिरावट के साथ 29.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड हुआ। वहीं रात का तापमान 5.3 डिग्री की गिरावट के साथ 13.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

फिर 300 के करीब पहुंचा मेरठ का एक्यूआई, हवा जहरीली, ठंड भी बढ़ी

मेरठ, एजेंसी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौसम का मिजाज बदल रहा है। पिछले दो दिन हल्की राहत देने के बाद शनिवार को मेरठ का एयर क्वालिटी इंडेक्स एक बार फिर खराब श्रेणी में पहुंच गया। सुबह के समय स्मॉग साफ दिखाई दिया, जबकि दोपहर तक हवा की गुणवत्ता और भी बिगड़ती चली गई। शनिवार सुबह 11 बजे मेरठ का एक्यूआई 292 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में आता है और स्वास्थ्य पर असर डाल सकता है। हवा की गति कम होने और ठंड बढ़ने के कारण प्रदूषण जमीन के नजदीक रुक गया है। इसके चलते सांस, दिल और फेफड़ों से संबंधित मरीजों की समस्या बढ़ सकती है।

तापमान में भी धीरे-धीरे गिरावट दर्ज की जा रही है। दिन और रात के तापमान में नीचे की ओर रुझान जारी है। ठंड का असर बढ़ना शुरू हो गया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का सीधा असर मैदानी क्षेत्रों में दिख रहा है। कृषि विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. यू.पी. शाही के मुताबिक आने वाले दिनों में तापमान और गिर सकता है। अनुमान है कि आने वाले एक सप्ताह में ठंड सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।

अब क्लास छह से ही कंप्यूटर की शिक्षा लेंगे प्राथमिक स्कूलों के बच्चे, सिस्टम और प्रशिक्षकों पर कवायद शुरू

लखनऊ, एजेंसी। देश-प्रदेश में तेजी से बढ़ रही तकनीकी से कदमताल करने के लिए प्रदेश के उच्च प्राथमिक विद्यालयों (कक्षा छह से आठ) के विद्यार्थियों को कंप्यूटर में दक्ष किया जाएगा। पूर्व में शुरू की गई कंप्यूटर सहायतित शिक्षा योजना (सीएएल) को प्रभावी बनाने की कवायद तेज कर दी गई है। इसके लिए बेसिक शिक्षा विभाग विद्यालयों में सक्रिय कंप्यूटरों आदि के बारे में आवश्यक जानकारी जुटा रहा है।

योजना के तहत प्रदेश के उच्च प्राथमिक विद्यालयों में पूर्व में कंप्यूटर उपलब्ध कराए गए थे किंतु कई जगह वह चले नहीं। अब इनको संचालित करने और जहां कंप्यूटर की कमी है, वहां इसे उपलब्ध कराने की कवायद तेज हुई है। इसका मकसद बच्चों को शुरुआत से ही कंप्यूटर शिक्षा देना है। बेसिक शिक्षा विभाग ने सभी बीएसए से कहा है कि जूनियर हाईस्कूलों में कंप्यूटर की व्यवस्था का सुचारू संचालन किया जाए।

इसके लिए कंप्यूटर उपकरणों की क्रियाशीलता, गुणवत्ता व अनुदेशकों की उपलब्धता देख ली जाए और इसकी आवश्यक आख्या उपलब्ध कराई जाए। अपर राज्य परियोजना निदेशक राजेंद्र प्रसाद ने सभी बीएसए को निर्देश दिया है कि प्रदेश के सभी सरकारी जूनियर हाईस्कूलों में कंप्यूटर की व्यवस्था सुचारू की जाए ताकि बच्चों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा सके। उन्होंने इससे संबंधित आख्या जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

पीएम ने 'लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत' का वर्चुअल उद्घाटन किया

✷ वेबवार्ता. सहारनपुर ✷

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस का वर्चुअल उद्घाटन किया। यह सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन 518 किलोमीटर की दूरी 7 घंटे 45 मिनट में तय करेगी। यह ट्रेन हफ्ते में छह दिन चलेगी।

इस दौरान अंबाला के डीआरएम विनोद भाटिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शनिवार को चार वंदे भारत ट्रेनों का उद्घाटन किया गया। इनमें से एक एसी ट्रेन है जो लखनऊ से सुबह 5 बजे रवाना होती है और लगभग 12:45 बजे सहारनपुर पहुंचती है। हम इस ट्रेन को प्राप्त करने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों, रेलवे कर्मचारियों और यात्रियों के साथ मौजूद थे। सभी ने इसका स्वागत किया।

इस ट्रेन की खासियत यह है कि यह भारतीय रेल की प्रीमियर ट्रेनों में से एक है। यात्रियों की सुरक्षा और आराम को ध्यान में रखकर यह ट्रेन बनाई गई है।

यह ट्रेन केवल 50 सेकेंड्स के भीतर 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार प्राप्त कर सकती है। इसमें जीपीएस स्पेस और नॉइस और वाइब्रेशन कंट्रोल जैसे सिस्टम को लागू किया गया है। इसमें यात्रियों को एक अलग तरह का अनुभव होगा। पूरे देश में ऐसी 160 सर्विस दी जा रही है।

मुरादाबाद के ट्रेन मैनेजर डीके. शर्मा कहते हैं कि मैं मुरादाबाद से सहारनपुर तक चलने वाली वंदे भारत ट्रेन से आया हूं। यह ट्रेन 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से यह दूरी लगभग साढ़े तीन घंटे में तय करती है। राजधानी ट्रेन की रफ्तार भी 110 किलोमीटर प्रति घंटे की होती है और इसमें भी लगभग इतना ही समय लगता है।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी स्टेशन से वंदे भारत को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री योगी भी मौजूद रहे।

पीएम के हरी झंडी दिखाते ही यात्रियों ने हर-हर महादेव के जयकारे लगाए। उनके स्वागत में काशीवासियों के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा की। ये चारों ट्रेन बनारस-खजुराहो, लखनऊ-सहारनपुर, फिरोजपुर-दिल्ली, और एर्नाकुलम-बेंगलुरु रूट पर चलेंगी।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित देशों की प्रगति का सबसे बड़ा आधार मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर रहा है। भारत अब तेजी से उसी राह पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रेलवे नेटवर्क, सड़कों और नई व्यवस्थाओं के विस्तार से देश के हर हिस्से में विकास की नई गाथा लिखी जा रही है।

पहली बार कार्तिक पूर्णिमा के बाद बदला आरती स्थल, गंगा का जलस्तर बढ़ने से 15 घाटों का टूटा संपर्क

वाराणसी, एजेंसी। गंगा आरती के 35 साल के इतिहास में पहली बार कार्तिक पूर्णिमा के बाद जलस्तर बढ़ने से आरती स्थल में बदलाव करना पड़ा। शुक्रवार की शाम को दशाश्वमेध घाट पर होने वाली गंगा सेवा निधि की गंगा आरती अपने मूल स्थान से 10 फीट पीछे हुई। गंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण 15 से अधिक घाटों का संपर्क भी टूट गया है।

शुक्रवार की रात नौ बजे केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार गंगा का जलस्तर 63.26 मीटर दर्ज किया गया। 24 घंटे में गंगा के जलस्तर में 16 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

बृहस्पतिवार को गंगा का जलस्तर 63.10 मीटर पर स्थिर था। मध्यरात्रि के बाद गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी शुरू हुई और रात नौ बजे फिर से गंगा का जलस्तर 63.26 मीटर पर पहुंचकर स्थिर हो गया। शाम को दशाश्वमेध घाट की गंगा आरती स्थल पर पानी चढ़ने के कारण आरती को 10 फीट पीछे खिसकाना पड़ा।

गंगा सेवा निधि के अध्यक्ष सुशांत मिश्र ने बताया कि मां गंगा की आरती का स्थान एक बार फिर बदला गया है। गंगा आरती के 35 वर्षों में यह पहला मौका है जब आरती स्थल पर भगवती मां गंगा का जलस्तर कार्तिक पूर्णिमा के बाद पहुंचा है। जलस्तर बढ़ने के कारण गंगा आरती 10 फीट पीछे हो रही है।

गंगा सेवा निधि के पदाधिकारियों और स्थानीय प्रशासन ने मिलकर आरती स्थल पर इंतजाम किए और 7 अर्चकों ने मां गंगा की आरती उतारी। केंद्रीय जल आयोग की ओर से जारी सप्ताह भर के पूर्वानुमान के अनुसार गंगा के जलस्तर में 0.4 मिलीमीटर के हिसाब से बढ़ोतरी होने की आशंका है। हालांकि अभी गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु 70.26 मीटर से सात मीटर नीचे है।

गोरखपुर अकटहवा पुल गैंगवार : एके-47 व रेड गैंग के तीन और आरोपी गिरफ्तार, एक बाल अपचारी

गोरखपुर, एजेंसी। पुलिस के बढ़ते दबाव से भागे आरोपियों में हड़कंप है। सूत्रों के मुताबिक, कई आरोपी अपनी पहचान छुपाने के लिए दाढ़ी-मूंछ बढ़ा रहे हैं। मोबाइल फोन से पूरी तरह से दूरी बना चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ आरोपी नेपाल की ओर भाग गए हैं। पुलिस इन सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है और सीमावर्ती इलाकों में भी दबिश दी जा रही है।

पीपीगंज थाना क्षेत्र में अकटहवा पुल पर गैंगवार में एके-47 और रेड गैंग से जुड़े तीन और आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान महाराजगंज के पनियरा हरपुरा निवासी अमित और पनियरा के डोमरा टोला अकटहवा निवासी विशाल के रूप में हुई है।

वहीं, तीसरा आरोपी बाल अपचारी है। गिरफ्तार आरोपियों से एक बाइक भी बरामद की गई है। पुलिस अब तक इस गैंगवार में शामिल 24 आरोपियों को जेल भिजवा चुकी है। अन्य की तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

26 अक्तूबर को पनियरा थाना क्षेत्र (महराजगंज) की सीमा पर अकटहवा पुल के पास एके 47 व रेड गैंग में वर्चस्व को लेकर लाठियों, ईंट-पत्थर और फायरिंग से हुई हिंसक झड़प के बाद पुलिस ने 15 नामजद और 20 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया था।

तब से पुलिस एके-47 और रेड गैंग के सदस्यों की पहचान कर 21 आरोपियों को जेल भेज चुकी थी।इसी क्रम में शुक्रवार को पीपीगंज पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर डोमरा बांध के रोहिन नदी किनारे छापा मारकर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।पुलिस ने इनके पास से एक बाइक भी बरामद की है। जिस पर एके 47 गैंग के स्टिकर लगा था। गिरफ्तार दो आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

यूपी में एसआईआर: सिर्फ आधार से नहीं बन सकेंगे मतदाता, चुनाव आयोग ने अलग से सभी डीएम को भेजे

लखनऊ , एजेंसी। विधानसभा और लोकसभा चुनाव के लिए सिर्फ आधार दिखाकर मतदाता नहीं बन सकेंगे। यानी, अगर आपका नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में नहीं है तो अपना नाम शामिल कराने के लिए सिर्फ आधार कार्ड का होना पर्याप्त नहीं होगा। इसके लिए कोई और दस्तावेज भी साथ में देना होगा। इस बारे में चुनाव आयोग ने अलग से सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीएम) को उनके मोबाइल फोन पर संदेश भेजा है। इसमें कहा गया है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार, आधार अकेले किसी को मतदाता बनने के योग्य नहीं बनाता।

आयोग का संदेश मिलने की पुष्टि कई जिलाधिकारियों ने की। यह संदेश दो हिस्सों में है। पहला, मुख्य चुनाव आयुक्त के संदेश की वीडियो रिकॉर्डिंग और दूसरा टेक्स्ट मैसेज (शब्दों में लिखा संदेश)। वीडियो रिकॉर्डिंग में कहा गया है कि जहां तक आधार की बात है, सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि आधार का उपयोग आधार एक्ट के अनुरूप होगा। आधार एक्ट के सेक्शन-9 में यह कहा गया है कि आधार डोमिसाइल प्रमाण नहीं होगा।

जहां तक जन्मतिथि की बात है, उस पर भी सुप्रीम कोर्ट के कई आदेश हैं। इनमें कहा गया कि आधार जन्मतिथि का प्रमाण नहीं है और इसका ध्यान रखते हुए आज भी अगर आप कम्प्युटर से अपना नया आधार डाउनलोड करते हैं, तो आधार कार्ड पर लिखा होता है कि आधार कार्ड न तो जन्मतिथि का प्रमाण है और न डोमिसाइल का और न नागरिकता का।

सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को जारी कर दिया जाए, ताकि उन्हें आधार को लेकर स्पष्टता रहे। यह स्पष्ट है कि गणना फॉर्म में आधार लिया जा रहा है और कोई भी व्यक्ति 12वें मान्य दस्तावेज के रूप में आधार जमा कर सकता है। लेकिन, भारत के संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार, आधार अकेले किसी को मतदाता बनने के योग्य नहीं बनाता।

सिर्फ आधार तो ईआरओ का विवेक सबसे अहम

इस बारे में हमारे संवाददाता ने चुनाव आयोग के स्थानीय अधिकारियों से बात की तो उन्होंने नाम न छापने के अनुरोध के साथ बताया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची में सिर्फ आधार के आधार पर किसी व्यक्ति का नाम शामिल नहीं होगा। आयोग ने मान्य 13 दस्तावेजों की सूची जारी की है, उनमें से आधार के अलावा कोई अन्य एक दस्तावेज भी देना होगा।

अगर शेष 12 दस्तावेजों में से कोई भी दस्तावेज संबंधित व्यक्ति के पास नहीं है तो वह ईआरओ (निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी) के सामने ऐसा करता हो कि वह भारत का नागरिक है या उसकी उम्र 18 वर्ष या उससे अधिक है या वो यहां का स्थायी निवासी है।

अब यह ईआरओ पर निर्भर करेगा कि वह उस व्यक्ति की ओर से उपलब्ध कराए गए अतिरिक्त दस्तावेज से संतुष्ट होता या नहीं। अगर ईआरओ संतुष्ट नहीं होता है तो उस व्यक्ति का नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल नहीं होगा। हालांकि, एक जिला निर्वाचन अधिकारी ने पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि शायद ही कोई ऐसा ईआरओ हो, जो आयोग की परिधि के 12 दस्तावेजों के बाहर किसी अन्य दस्तावेज को स्वीकार करे। क्योंकि, तब सारी जिम्मेदारी उस ईआरओ पर ही आ जाएगी।

ये हैं मान्य दस्तावेज की लिस्ट

ऐसे सभी मतदाता जिनका नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मिलान या लिंक नहीं हो सकेगा, उन्हें संबंधित विधानसभा क्षेत्र के ईआरओ की ओर से सुनवाई के लिए नोटिस जारी किया जाएगा। सुनवाई के दौरान उस व्यक्ति को इन 13 दस्तावेजों में से कोई एक

राहुल वी एस भारत के 91वें ग्रैंडमास्टर बने, आसियान व्यक्तिगत चैंपियनशिप में हासिल की उपलब्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के अध्यक्ष नितिन नारंग ने एक्स पर लिखा, राहुल वी एस को एक राउंड शेष रहते आसियान व्यक्तिगत चैंपियनशिप जीतने और इस प्रक्रिया में देश के 91वें ग्रैंडमास्टर बनने पर हार्दिक बधाई। भारतीय शतरंज खिलाड़ी राहुल वीएस छठी आसियान व्यक्तिगत चैंपियनशिप को एक राउंड शेष रहते हुए जीतकर देश के 91वें ग्रैंडमास्टर बन गये हैं। यह 21 वर्षीय खिलाड़ी एशियाई जूनियर चैंपियन भी है। वह 2021 में अंतरराष्ट्रीय मास्टर बने थे। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के अध्यक्ष नितिन नारंग ने एक्स पर लिखा, राहुल वी एस को एक राउंड शेष रहते आसियान व्यक्तिगत चैंपियनशिप जीतने और इस प्रक्रिया में देश के 91वें ग्रैंडमास्टर बनने पर हार्दिक बधाई। आपको आगे भी कई उपलब्धियां हासिल करने और भारत को गौरवान्वित करने में निरंतर सफलता हासिल करने के लिए शुभकामनाएं देता हूं। फिलीपीन्स में आसियान व्यक्तिगत चैम्पियनशिप में राहुल ने जीत हासिल करके अपना अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल किया। वह पिछले दो सप्ताह के अंदर ग्रैंडमास्टर बनने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले युवा खिलाड़ी इलमपर्थी ए आर ने 30 अक्टूबर को यह उपलब्धि हासिल की थी।

अभिषेक शर्मा ने रचा इतिहास...

पूरे किए हजार टी20 रन, सूर्या का रिकॉर्ड ध्वस्त

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज का आखिरी मुकाबला 8 नवंबर (रविवार) को ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर खेला है. इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. यानी भारतीय टीम को इस मैच में पहले बैटिंग करनी पड़ी. सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम को इस मुकाबले में शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा ने तूफानी शुरुआत दिलाई. इस दौरान बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक ने टी20 इंटरनेशनल (टी20ढ्ढ) में बेहद खास उपलब्धि भी हासिल की. अभिषेक ने टी20 इंटरनेशनल में अपने 1000 हजार रन पूरे कर लिए. देखा जाए तो अभिषेक शर्मा गेंदों के हिसाब से टी20 इंटरनेशननल में सबसे तेज हजार रन बनाने वाले बैटर (फुल मेम्बर्स टीम) बन गए हैं. अभिषेक ने एक हजार रन बनाने के लिए 528 गेंदें ली हैं. अभिषेक ने भारत की टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का रिकॉर्ड तोड़ दिया. सूर्यकुमार ने एक हजार रन बनाने के लिए 573 गेंदें ली थीं. यही नहीं अभिषेक इनिंग्स के हिसाब दूसरे सबसे तेज हजार टी20ढ्ढ रन बनाने वाले भारतीय हैं.

गेंदों के हिसाब से सबसे तेज 1000 टी20 रन (फुल मेम्बर्स टीम्स)

528- अभिषेक शर्मा (भारत)
573- सूर्यकुमार यादव (भारत)
599- फिल साल्ट (इंग्लैंड)
604- ग्लेन मैक्सवेल (ऑस्ट्रेलिया)
609- आंद्रे रसेल (वेस्टइंडीज)/फिन एलन (न्यूजीलैंड)

सबसे कम पारियों में हजार टी20 रन (भारत)

27- विराट कोहली
28- अभिषेक शर्मा
29- केएल राहुल
31- सूर्यकुमार यादव
40- रोहित शर्मा

गाबा टी20 मुकाबले में अभिषेक शर्मा को दो जीवनदान भी मिले हैं. पहले ही ओवर में बेन ड्वारशुइस की गेंद पर ग्लेन मैक्सवेल ने अभिषेक शर्मा का मिड-ऑफ रीजन में कैच टपका दिया.

हांग कांग इंटरनेशनल सिक्सेस 2025 में टीम इंडिया की लगातार तीन हार, कुवैत, यूएई और नेपाल तक से मिली हार

हांग-कांग, एजेंसी। हांग कांग इंटरनेशनल सिक्सेस 2025 में भारतीय क्रिकेट टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। पाकिस्तान पर धमाकेदार जीत के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत करने वाली दिनेश कार्तिक की अगुवाई वाली टीम को लगातार तीन करारी हार का सामना करना पड़ा है, जिसके चलते वे क्वार्टर फाइनल की दौड़ से बाहर हो गए हैं। कुवैत, यूएई और नेपाल ने भारत को बुरी तरह शिकस्त दी।

कुवैत का झटका और पूल-सी से बाहर – भारत की खराब फॉर्म की शुरुआत पूल-सी के निर्णायक मैच में कुवैत के खिलाफ हुई। कुवैत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 ओवर में 106 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 79 रन पर ही ढेर हो गई और 27 रनों से हार गई। कुवैत के यासीन पटेल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके। इस हार के कारण भारत पूल में तीसरे स्थान पर खिसक गया और बॉल राउंड में पहुंच गया।

बॉल राउंड में भी फिसड्डी, यूएई और नेपाल से हार – बॉल स्टेज में भी भारतीय टीम का खराब प्रदर्शन जारी रहा। पहला मैच यूएई से हार गए, अभिमन्यु मिथुन (50) और दिनेश कार्तिक (42) की तूफानी पारियों की बदौलत भारत ने 108 रन बनाए थे, लेकिन यूएई के खालिद शाह ने सिर्फ 14 गेंदों में 50 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया और भारत को फिर हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद नेपाल से शर्मनाक हार मिली, दिन का आखिरी मैच भारत के लिए सबसे बुरा साबित हुआ। नेपाल ने बिना कोई विकेट खोए 6 ओवर में 137 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में भारतीय टीम सिर्फ 45 रन पर 6 विकेट गंवाकर ऑलआउट हो गई। नेपाल के राशिद खान ने 55 रन बनाए और फिर गेंदबाजी में 3 विकेट झटककर 92 रनों के बड़े अंतर से टीम को जीत दिलाई, जो टूर्नामेंट की सबसे बड़ी हारों में से एक है। पाकिस्तान को हराकर मिली अच्छी शुरुआत के बाद, लगातार तीन हार ने भारतीय टीम की क्वार्टर फाइनल की उम्मीदों को पूरी तरह खत्म कर दिया है। अब टीम का आखिरी मुकाबला 9 नवंबर को श्रीलंका के खिलाफ होगा, जो उनके लिए इस टूर्नामेंट में सम्मान बचाने और आत्मविश्वास वापस लाने का अंतिम मौका होगा।

इंडिया-ए वर्सेस साऊथ अफ्रिका:

ध्रुव जुरेल ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ लगातार दूसरी पारी में लगाया शतक, मजबूत स्थिति में इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया ए के विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ कमाल की बल्लेबाजी करते हुए दूसरी पारी में भी शतक लगा दिया। ध्रुव पहली पारी में भी शतक लगाकर नाबाद (137 रन) रहे थे और भारत को अच्छी स्थिति में पहुंचाने का काम किया था। ध्रुव जुरेल ने दूसरी पारी में भी टीम को मुसीबत से निकालने का काम किया और अपना शतक पूरा किया। ये उनका दूसरे टेस्ट मैच में साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ बैक-टू-बैक शतक रहा साथ ही ये उनके फर्स्ट क्लास क्रिकेट करियर का 5वां शतक रहा। साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट से पहले ध्रुव का लय में आना टीम इंडिया के लिए काफी अच्छा संकेत है।

ध्रुव जुरेल का लगातार दूसरा शतक – दूसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में ध्रुव जुरेल ने अपना शतक 159 गेंदों पर पूरा किया। ध्रुव ने अपनी शतकीय पारी के दौरान 12 चौके लगो। ध्रुव ने दूसरी पारी में हर्ष दुबे के साथ मिलकर छठे विकेट के लिए 250 गेंदों पर 184 रन की शानदार साझेदारी की। हर्ष दुबे ने भी टीम के लिए अच्छी पारी खेली और उन्होंने 116 गेंदों पर 84 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से एक छक्का और 12 चौके निकले।

खबर लिखे जाने तक भारत ने दूसरी पारी में 6 विकेट पर 350 रन बना लिए हैं और टीम इंडिया की कुल बढ़त अब 384 रन की हो गई है। ऋषभ पंत पहले सेशन में रिटायर हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए थे, लेकिन वो फिर से बैटिंग के लिए मैदान पर आ चुके हैं और बल्लेबाजी कर रहे हैं।

साउथ अफ्रीका-ए के खिलाफ ऋषभ पंत चोटिल

रिटायर्ड हर्ट होकर वापस लौटे

बेंगलुरु, एजेंसी। साउथ अफ्रीका-ए के खिलाफ दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट मैच में भारत-ए के कप्तान ऋषभ पंत रिटायर्ड हर्ट होकर वापस लौटे, जिसने भारतीय फैंस को चिंता में डाल दिया है। पंत 14 नवंबर से साउथ अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने जा रही टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम का अहम हिस्सा हैं। शनिवार को मुकाबले के तीसरे दिन, पहले सेशन में साउथ अफ्रीकी तेज गेंदबाज त्सेपो मोरकी की गेंद पंत के शरीर और हेलमेट पर तीन बार लगी, जिसके बाद उन्हें भारत ए की दूसरी पारी के 34वें ओवर में रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान छोड़ना पड़ा। उस समय तक पंत 22 गेंदों पर 17 रन बना चुके थे। ऋषभ पंत इस पारी में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। बार-बार गेंद लगने से पंत तकलीफ में थे। हर बार जब गेंद उनके बल्ले पर लगती, तो पंत दर्द में नजर आ रहे थे।

हालांकि, पंत बल्लेबाजी जारी रखने के लिए उत्सुक थे, लेकिन एहतियातन इंडिया-ए के कोच ऋषिकेश कानिटकर और फिजियो को उन्हें मैदान से बाहर ले जाना पड़ा। ऋषभ पंत जुलाई में इंग्लैंड दौरे पर मैनचेस्ट में खेले गए मुकाबले में चोटिल हुए थे। क्रिस वोक्स की गेंद उनके पैर पर लगी थी। अंगूठे में फैक्चर के बाद उन्हें ठीक होने में करीब 98 दिनों का समय लगा। सर्जरी के बाद पंत ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में दो महीने रिहैब में बिताए और फिर भारत-ए के लिए खेलने से पहले सितंबर की शुरुआत में ट्रेनिंग शुरू की। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर चुका है। 15 सदस्यीय टीम की कमान शुभमन गिल के हाथों में है। इस टीम में विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत की वापसी हुई है। वह टीम के उपकप्तान भी हैं। बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड 1 में जारी इस मुकाबले की बात करें, तो भारत-ए पहली पारी में 255 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में साउथ अफ्रीका-ए ने पहली पारी में सिर्फ 221 रन बनाए।

भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 53 ओवरों के खेल तक 5 विकेट खोकर 175 रन बना लिए हैं। मेजबान टीम के पास फिलहाल 209 रन की लीड है।

सुल्तान अजलान शाह कप:

भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा, संजय संभालेंगे कमान

भारतीय टीम

गोलकीपर: पवन और मोहित होनेनहल्ली शशिकुमार।
डिफेंडर: चंदूरा बॉबी, नीलम संजीप जेस, यशदीप सिवाच, संजय, जुगराज सिंह और अमित रोहिदास।
मिडफील्डर: राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, नीलकंठ शर्मा, मोइरांगथेम, विवेक सागर प्रसाद, मोहम्मद राहिल मोहसिन।
फॉरवर्ड: सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सेल्वम कार्थी, आदित्य अर्जुन लालगे, दिलप्रीत सिंह और अभिषेक।

नई दिल्ली,एजेंसी। सुल्तान अजलान शाह कप 2025 की शुरुआत 23 नवंबर से होने जा रही है। यह टूर्नामेंट 30 नवंबर तक मलेशिया के इपोह में आयोजित होगा। हॉकी इंडिया ने इस टूर्नामेंट के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान संजय के पास है। टीम चयन को लेकर हेड कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, सुल्तान अजलान शाह कप हमेशा से अंतरराष्ट्रीय हॉकी कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट रहा है। हम एक संतुलित टीम के साथ इसमें हिस्सा लेने के लिए उत्साहित हैं। हमारा फोकस अटैक और डिफेंस दोनों में अपनी संरचना को बेहतर बनाने, दबाव में निर्णय लेने की क्षमता में सुधार करने और पूरे खेल में निरंतरता बनाए रखने पर रहा है। उन्होंने कहा, इस टीम ने ट्रेनिंग में बेहतरीन अनुशासन और लगन दिखाई है। हम चुनौती के लिए तैयार हैं। हमें इपोह में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। भारत 23 नवंबर को कोरिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, जिसके बाद 24 नवंबर को बेल्जियम के खिलाफ उतरेगा। इसके बाद 26 नवंबर को मेजबान मलेशिया से भारतीय टीम का सामना होगा। 27 नवंबर को टीम का मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा, जिसके बाद भारतीय टीम 29 नवंबर को कनाडा के खिलाफ मुकाबले के साथ अपने लीग चरण का समापन करेगी। यह टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में खेला जाएगा, जिसमें शीर्ष दो टीमें 30 नवंबर को होने वाले फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारत ने आखिरी बार साल 2010 में सुल्तान अजलान शाह कप अपने नाम किया था। साल 2019 में भारत उपविजेता रहा। इस बार फैंस को टीम से काफी उम्मीद है।

टोक्यो डेफलिम्पिक्स 2025:

टोक्यो डेफलिम्पिक्स के लिए भारत के 111 सदस्यीय दल की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खिलाड़ी 11 खेलों, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, गोल्फ, जूडो, कराटे, निशानेबाजी, तैराकी, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, कुश्ती और टेनिस में भाग लेंगे। खेल मंत्रालय ने भारतीय दल को मंजूरी दे दी है, और इसका पूरा खर्चा सरकार वहन करेगी। भारत 15 नवंबर से 26 दिसंबर तक टोक्यो में होने वाले डेफलिम्पिक्स (बधिर ओलंपिक) में भाग लेने के लिए 111 सदस्यों का अपना अब तक का सबसे बड़ा दल भेजेगा। इस दल में 73 खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय खिलाड़ी 11 खेलों, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, गोल्फ, जूडो, कराटे, निशानेबाजी, तैराकी, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, कुश्ती और टेनिस में भाग लेंगे। खेल मंत्रालय ने भारतीय दल को मंजूरी दे दी है, और इसका पूरा खर्चा सरकार वहन करेगी। मई 2022 में ब्राजील में आयोजित पिछली डेफलिम्पिक्स प्रतियोगिता में भारत ने 8 स्वर्ण, 1 रजत और 7 कांस्य पदक जीतकर कुल 16 पदकों के साथ अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। भारत उस प्रतियोगिता में 77 देशों में नौवें स्थान पर रहा था। डेफलिम्पिक्स का आयोजन अंतरराष्ट्रीय बधिर खेल समिति द्वारा किया जाता है, जो अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति से मान्यता प्राप्त है।

लाखों से करोड़ों तक: आसमान छूने लगा भारत की महिला क्रिकेटरों की ब्रांड वैल्यू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को महिला वनडे विश्व कप में पहली बार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाली खिलाड़ियों का इसके बाद ब्रांड मूल्य भी आसमान छूने लग गया है और उनके पास पैसा कमाने का यह सबसे अच्छा मौका है। स्मृति मंधाना, शैफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स जैसी खिलाड़ियों के ब्रांड मूल्य में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने की उम्मीद है, जो उन्हें संभालने वाली प्रबंधन फर्मों के अनुसार व्यक्तिगत रूप से एक करोड़ से अधिक के विज्ञापन सौदों में तब्दील हो जाएगा। इन खिलाड़ियों को अपने विज्ञापन का चेहरा बनाने के लिए कतार में लगे ब्रांडों में ऑटोमोबाइल कंपनियों से लेकर बैंक और एफएमसीजी तक शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा खेल सामग्री, जीवनशैली, सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल और शिक्षा निगमों के साथ भी सौदे होने की उम्मीद है। मंधाना, ऋचा घोष और राधा यादव का प्रबंधन करने वाली बेसलाइन वेंचर्स के एमडी और सह-संस्थापक तुहिन मिश्रा तथा शेफाली और जेमिमा का प्रबंधन करने वाले जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी करण यादव दोनों सवालों के जवाब में महिला क्रिकेटरों के भविष्य के बारे में उत्साहित थे। यादव ने कहा, 'हम उनके ब्रांड मूल्य में तेज उछाल देख रहे हैं। शीर्ष स्तर की किसी खिलाड़ी के विज्ञापन मूल्य में दो से तीन गुना तक बढ़ोतरी हो गई है। जेमिमा की कीमत 60 लाख रुपये से बढ़कर लगभग 1.5 करोड़ रुपए से अधिक हो गई है। शैफाली की कीमत 40 लाख रुपये से बढ़कर लगभग एक करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। मिश्रा ने कहा, 'हमें शीर्ष खिलाड़ियों के लिए 25-55 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों के लिए यह आंकड़ा और अधिक हो सकता है। उन्होंने कहा, 'हमें यह भी उम्मीद है कि यह जीत वाणिज्यिक बाजार में महिला क्रिकेट को मजबूत करेगी, जहां ब्रांड अल्पकालिक अभियान के बजाय दीर्घकालिक साझेदारी पर ध्यान देते हैं। यादव ने कहा कि महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और प्रशंसकों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी ने भी खिलाड़ियों के ब्रांड मूल्य में वृद्धि में योगदान दिया है। उन्होंने बताया, 'जेमिमा के फॉलोअर्स की संख्या दोगुनी 33 लाख हो गई है और शैफाली के फॉलोअर्स की संख्या में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बड़ा बदलाव यह है कि ब्रांड अब उन्हें केवल क्रिकेट सत्र तक सीमित चेहरे के रूप में नहीं देखते हैं और इससे खिलाड़ियों के ब्रांड मूल्य में वृद्धि हो रही है।

मिश्रा ने कहा कि महिलाएं उन ब्रांडों का प्रचार करके एक और सफलता हासिल करने के लिए तैयार हैं, जिनका प्रचार पारंपरिक रूप से पुरुष खिलाड़ी करते रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम भारत में महिला खिलाड़ियों के लिए खेल सामग्री, जीवनशैली, सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल तथा शिक्षा जैसे विभिन्न उद्योगों में रुचि देख रहे हैं। उत्साहजनक बात यह है कि शीर्ष महिला क्रिकेटर अब उन क्षेत्रों में भी प्रवेश कर रही हैं जिन्हें पहले पुरुष-प्रधान माना जाता था। मिश्रा ने कहा, 'उदाहरण के लिए, स्मृति हुंडई, गल्फ ऑयल, एसबीआई बैंक, पीएनबी मेटलाइफ जैसे ब्रांडों से जुड़ी हैं, जो पारंपरिक रूप से पुरुष प्रधान क्षेत्र रहे हैं। इससे पता चलता है कि बाजार अब वास्तव में हमारी स्टार महिला खिलाड़ियों की ताकत को समझता है।